सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 179 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 13 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

उरपाजूर जंगल में भालू का आतंक, ग्रामीण के सिर पर अचानक अटैक

कांकेर। जिले के परतापुर थाना क्षेत्र के उरपाजूर जंगल में भालू ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया। इस घटना में एक ग्रामीण की जान चली गई। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की गई है। परतापुर थाना प्रभारी ने घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्राम बड़े पराली बड़गांव निवासी सोनसाय आंचला अपने गांव के अन्य ग्रामीणों के साथ जंगल गया था। वे सभी सिहाड़ी रस्सी लेने के लिए उरपाजूर के जंगल में गए थे। जंगल में अचानक एक भालू ने सोनसाय पर हमला कर दिया। साथ गए कुछ ग्रामीण डरकर भाग निकले। अन्य ग्रामीणों ने सोनसाय को बचाने का प्रयास किया। लेकिन भालू ने सोनसाय के सिर को बुरी तरह नोंच लिया था। अत्यधिक खून बहने के कारण ग्रामीण सोनसाय की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन जंगल पहुंच गए। वन विभाग की टीम भी तत्काल मौके पर पहुंची। टीम लगातार जंगल में भालू की तलाश कर रही है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

रिटायर बिजली कर्मियों की ग्रेच्युटी से 20 लाख की धोखाधड़ी

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी में एक बड़ा गबन सामने आया है। यह मामला सेवानिवृत्त नियमित कर्मचारियों की ग्रेच्युटी राशि से जुड़ा है। प्रारंभिक जांच में अब तक करीब 20.58 लाख रुपये के गबन की पुष्टि हुई है। तुलसी नगर सब स्टेशन कार्यालय में पदस्थ संविदा कर्मी हरीश कुमार पर आरोप है। उसने कार्यपालन अभियंता ईई (डी) से खाली चेक पर हस्ताक्षर कराए थे। बाद में हरीश ने चेक में अपना खाता नंबर भरकर रकम अपने खाते में जमा कर ली। इस तरह ग्रेच्युटी राशि संबंधित कर्मचारियों तक पहुंचने के बजाय सीधे आरोपित के खाते में चली जाती थी। यह मामला तब उजागर हुआ जब एक सेवानिवृत्त कर्मचारी को उसकी राशि नहीं मिली। कर्मचारी की शिकायत पर किए गए मिलान में गड़बड़ी सामने आई। पुलिस ने आरोपित हरीश कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संविदा कर्मी हरीश कुमार ने अपने बचाव में एक दावा किया है। उसका कहना है कि उसने यह कार्य कार्यपालन अभियंता ईई (डी) के कहने पर किया था।

पुल पर सीमेंट मिक्सर से वाहन की टक्कर ठाणे में नौ की मौत, तीन लोग घायल

ठाणे। महाराष्ट्र में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई है। महाराष्ट्र पुलिस ने बताया कि राज्य के ठाणे जिले में एक पुल पर सीमेंट मिक्सर से एक वाहन टकराने से नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को पुलिस ने तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस की ओर से दुर्घटनास्थल पर बचाव एवं राहत कार्य जारी है। हादसे के बाद पुल पर ट्रैफिक जाम हो गया था। पुलिस उसे भी खुलवाने की कोशिश में जुटी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, बचाव दल और चिकित्सा टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गईं। घायलों को अस्पताल ले जाने और शवों को निकालने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

नारी शक्ति वंदन कानून पर बोले पीएम मोदी- यह 21वीं सदी के सबसे बड़े निर्णयों में से एक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को विज्ञान भवन में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे। इस कार्यक्रम का आयोजन ऐसे समय में किया जा रहा है जब सरकार ने आगामी 16-18 अप्रैल तक तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया है। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम के गायन के साथ हुई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर बोलते हुए और महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा, ' ' देश की विकास यात्रा के अहम पड़ावों के बीच भारत 21वीं सदी के सबसे बड़े निर्णयों में से एक निर्णय लेने जा रहा है। यह फैसला नारी शक्ति को और नारी शक्ति वंदन को समर्पित है।

पीएम ने कहा हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। यह इतिहास अतीत की संकल्पनाओं को साकार करेगा और भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा।'' पीएम मोदी ने कहा, ' 'यह एक ऐसे समतामूलक भारत के निर्माण का संकल्प है, जहां सामाजिक न्याय सिर्फ नारा नहीं हो। लेकिन हमारी कार्यसंस्कृति, हमारी निर्णय प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा हो। इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार के दौरान महिलाओं को लेकर जमीनी स्तर पर कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में विदेश मंत्री से लेकर वित्त मंत्री तक के बड़े पदों पर महिलाएं रहीं। उन्होंने खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि मोदी सरकार के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में मुझे भी काम करने का मौका मिला है। सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम राष्ट्रीय निर्माण की नई और प्रेरक गाथा का उत्सव है। यह वह पावन क्षण है, जब संकल्प, समर्पण और सफलता का संगम हमारे सामने साकार हो रहा है।

खाद्य विभाग की कार्रवाई, दो फैक्ट्रियों में रेड, 1060 किलो पनीर किया नष्ट

जहां बन रहा था पनीर वहां गंदगी की भरमार, लैब में भेजे गए सैंपल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में खाद्य और औषधि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने पनीर बनाने वाली दो फैक्ट्रियों पर छापेमारी करते हुए 1060 किलो पनीर जब्त किया है। यह कार्रवाई गुणवत्ता और स्वच्छता से जुड़ी शिकायतों के बाद की गई गई है। मौके पर पहुंची टीम ने फैक्ट्री परिसर की जांच की और उसे कई कमियां मिलीं। खाद्य विभाग ने दोनों फैक्टियों से करीब 1060 किलो पनीर जब्त कर उसे नष्ट कर दिया है। टीम ने पनीर को जमीन में दबाकर नष्ट किया है। इसके साथ ही अन्य सामग्री भी जब्त की गई है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि टीम ने दोनों जगह से पनीर का सैंपल लिया है। सैंपल को लैब में भेजा गया है। टीम ने दोनों जगहों से

मिल्क पाउडर के बोरे और तेल के कई टिन जब्त किए हैं। खाद्य एवं औषधि विभाग को शिकायत मिली थी थी भांटागांव स्थिति फैक्ट्री में बिना स्वच्छता के काम हो रहा है। जिसके बाद रविवार को पनीर की गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर कार्रवाई की है।

टीम भाटागांव के केएलवी डेयरी एंड प्रोडक्शन में पहुंची और यहां फैक्ट्री में साफ-सफाई का निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री में गंदगी पाई गई, जिसके बाद डेयरी फैक्ट्री से 540 किलो पनीर मिला जिसे नष्ट कर दिया गया।

उरला में दूसरी कार्रवाई

टीम ने दूसरी कार्रवाई उरला के कन्हेरा रोड पर स्थित एसजे डेयरी प्रोडक्ट में छापेमार कार्रवाई की। जांच के दौरान यहां भी गंदगी पाई गई। इस दौरान फूड डिपार्टमेंट ने डेयरी फैक्ट्री से 520 किलो पनीर जब्त किया और उसे नष्ट कर दिया। रायपुर नगर निगम की टीम ने सरकारी जमीन में जेसीबी मशीन की मदद से पनीर को जमीन में दबाकर नष्ट किया गया। 21 जनवरी 2026 को विभाग ने इसी फैक्ट्री से 1700 किलो नकली पनीर जब्त कर नष्ट कराया था। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि तीन महीने पहले जिस फैक्ट्री पर छापेमार कार्रवाई की गई, वहां दोबारा फिर से इतनी बड़ी मात्रा में नकली पनीर कैसे बनता रहा।

15 अप्रैल से हीट-वेव का अलर्ट, 42 डिग्री के पार जाएगा तापमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में आने वाले दिनों में गर्मी और तेज होने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 4 दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसके साथ ही 14 अप्रैल से कई इलाकों में तापमान 42 डिग्री के पार जा सकता है।

बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। वहीं 15 अप्रैल से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में हीट वेव (लू) चलने की चेतावनी भी जारी की गई है। प्रदेश में फिलहाल मौसम पूरी तरह शुष्क बना हुआ है। बीते 24 घंटे में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 41एष्ट रायपुर में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 16.5एष्ट अंबिकापुर में रहा।

मौसम विभाग के अनुसार कल (मंगलवार) भी प्रदेश में मौसम साफ और शुष्क बना रहेगा। किसी तरह की बारिश या चेतावनी जारी नहीं की गई है। अगले दो दिनों तक भी पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क ही रहने की संभावना है, जिससे गर्मी का असर और बढ़ेगा।

कांकेर में एनकाउंटर : महिला नक्सली लीडर रूपी ढेर

सुरक्षाबलों की कार्रवाई, शव के साथ पिस्टल और गोला-बारूद बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के छोटेबेठिया क्षेत्र के जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक महिला नक्सली ढेर हुई है। मारी गई नक्सली की पहचान वांटेड एरिया कमेटी मेंबर रूपी रेड्डी के रूप में हुई है, जो लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर थी। मौके से उसके पास से एक पिस्टल बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक, उसे लगातार सरेंडर के लिए कहा जा रहा था, लेकिन वह

सक्रिय रूप से नक्सली गतिविधियों में शामिल रही। बस्तर में बड़े कैडर के कई नक्सलियों के मारे जाने या सरेंडर के बाद वह प्रमुख सक्रिय कैडर में गिनी जा रही थी।

दरअसल पुलिस को इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसके बाद तड़के 4 से 5 बजे सुरक्षाबलों ने छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के माचपल्ली के जंगल में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसके जवाब में जवानों ने भी मोर्चा संभाला। मुठभेड़ खत्म होने के बाद मौके से महिला नक्सली रूपी का शव बरामद किया गया। कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। फिलहाल, इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस बाकी नक्सलियों की तलाश में जुटी हुई है। महिला नक्सली रूपी स्टेट कमेटी मेंबर विजय रेड्डी की पत्नी थी। विजय रेड्डी राजनांदगांव और मोहला-मानपुर-चौकी जिले में हुई मुठभेड़ में मारा गया था। विजय रेड्डी की पत्नी रूपी ही उत्तर बस्तर कांकेर में नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने से रोक रही थी।

वन तस्करी के खिलाफ बड़ा एक्शन, जगदलपुर में 16 किलो पैंगोलिन स्केल जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वन्यजीव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की नागपुर क्षेत्रीय इकाई ने एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया। अधिकारियों के अनुसार, मुंबई जोनल यूनिट के तहत काम कर रही डीआरआई की नागपुर यूनिट ने जगदलपुर में भारतीय पैंगोलिन के शल्क की अवैध तस्करी में शामिल एक सिंडिकेट को पकड़ने में सफलता हासिल की।

रविवार को चलाए गए इस ऑपरेशन के दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से कुल 16.528 किलोग्राम भारतीय पैंगोलिन के शल्क बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर की गई।

अधिकारियों के मुताबिक, भारतीय पैंगोलिन को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 में रखा गया है, जिससे इसे सबसे उच्च स्तर का कानूनी संरक्षण मिलता है। इस कानून के तहत पैंगोलिन और उससे जुड़े किसी भी उत्पाद का व्यापार पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसी के तहत बरामद 16.528 किलोग्राम शल्क को जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों और जब्त किए गए शल्क को जगदलपुर रेंज के वन विभाग के रेंज अधिकारी को सौंप दिया गया है।

11 समर स्पेशल ट्रेनें 87 फेरों में दौड़ेंगी: महाराष्ट्र बिहार, साउथ रूट के यात्रियों को मिलेगी राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गर्मी की छुट्टियों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने बड़ा फैसला लिया है। इस बार 11 समर स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जो करीब 87 फेरों में दौड़ेंगी। इन ट्रेनों का संचालन 2 अप्रैल 2026 से शुरू हो चुका है। जो 16 जुलाई 2026 तक अलग-अलग तारीखों पर चलेंगी।

ये ट्रेनें देश के 20 से ज्यादा प्रमुख स्टेशनों को जोड़ेंगी, जिससे मध्य भारत, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारत के रूट पर यात्रा करने वाले यात्रियों को सीधा फायदा मिलेगा। रेलवे की ओर से चलाई जा रही ये स्पेशल ट्रेनें लंबी दूरी के व्यस्त रूट्स को कवर

करेंगी। जिनमें प्रमुख रूप से दुर्ग-हरिद्वार, इतवारी-शालीमार, एलटीटी-संतरागाछी, हटिया-एलटीटी, तिरुपति-रक्सौल, पटना-चर्लपल्ली, गोंदिया-रक्सौल, एलटीटी-हावड़ा, इतवारी-मालदा टाउन और पुणे-संतरागाछी जैसे रूट शामिल हैं। इन रूट्स पर हर साल गर्मियों में भारी भीड़ रहती है, ऐसे में यह सुविधा यात्रियों के लिए काफी राहत भरी होगी।

नोएडा में कंपनियों के खिलाफ कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

नोएडा ए.। यहां प्राइवेट कंपनियों के कर्मचारियों का असंतोष सोमवार को अचानक भड़क उठा। कल तक जो प्रदर्शन नारेबाजी और शांतिपूर्ण विरोध तक सीमित था, सोमवार को उग्र रूप ले बैठा। सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी सड़कों पर उतर आए, कई जगहों पर जाम लगा दिया, और कुछ स्थानों पर गाड़ियों में तोड़फोड़ व आगजनी की घटनाएं भी सामने आईं। हालात बिगड़ते देख पुलिस को तुरंत मोर्चा संभालना पड़ा और कई रूटों पर यातायात डायवर्ट करना पड़ा।

इस आंदोलन की गूंज सिर्फ

नोएडा तक ही सीमित नहीं रही। फरीदाबाद के सेक्टर-37 में भी बड़ी संख्या में कामगार सड़कों पर उतर आए। कई कंपनियों के कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया और अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि मदरसन कंपनी के हजारों कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। इसके अलावा अन्य औद्योगिक इकाइयों के श्रमिक भी काम छोड़कर बाहर निकल आए, जिससे उत्पादन पर भी असर पड़ने लगा है।

प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

नोएडा में स्थिति को देखते हुए पुलिस ने कई इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी है। नोएडा के सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल के पास कर्मचारियों के धरना-प्रदर्शन के चलते यातायात प्रभावित हुआ, जिसके बाद सेक्टर-59 मेट्रो के नीचे से ट्रैफिक डायवर्ट किया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हालात पर नजर रखी जा रही है और किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जलियांवाला बाग के बलिदानियों को नमन राष्ट्रपति मूर्मु और पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। जलियांवाला बाग नरसंहार की बरसी पर पूरा देश प्राणों की आहुति देने वाले अमर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धा और सम्मान के साथ याद कर रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने बलिदानियों को नमन करते हुए उनके बलिदान को राष्ट्र की अमूल्य धरोहर बताया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि जलियांवाला बाग में प्राण न्यौछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान देशवासियों में आजादी के प्रति नई चेतना और दृढ़ संकल्प का संचार करने वाला रहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सदैव उनके प्रति कृतज्ञ रहेगा और उनकी देशभक्ति आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

भारत की अदम्य भावना का प्रतीक है- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका बलिदान भारत की अदम्य भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शहीदों का साहस, त्याग और संकल्प आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता, न्याय और गरिमा के मूल्यों की रक्षा के लिए प्रेरित करता रहेगा। एक अन्य संदेश में पीएम मोदी ने जलियांवाला बाग नरसंहार को विदेशी शासन की बर्बरता का प्रतीक बताते हुए कहा कि शहीदों की वीरता की गाथा देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करती रहेगी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक संस्कृत सुभाषितम् भी साझा किया, जिसमें समाज में सकारात्मक, राष्ट्रनिर्माण करने वाली शक्तियों को बढ़ावा देने संदेश दिया गया।

संपादकीय

थमी सुरों की आशा

फिर भी सदा गूंजते रहेंगे हृदयस्पर्शी गीत

हृदयाघात के चलते करोड़ों संगीत प्रेमियों को भले ही आशा भोसले अलविदा कह गई हों लेकिन विविधता लिए सुरीले गीत सदियों तक संगीत प्रेमियों के दिल-दिमाग में गूंजते रहेंगे। 8 सितंबर 1933 को जन्मीं आशा भोसले नब्बे साल तक लगातार गाती रहीं। आशा के सुरीले गीतों ने देश-दुनिया के करोड़ों दिलों को छुआ। उनकी कर्णप्रिय धुनों वाले गीतों में जीवन का एक उल्लास रहा है। तभी नब्बेवें जन्मदिन पर लगातार तीन घंटे संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करके वे नया रिकॉर्ड दर्ज कर गईं।

“ जीवनपर्यंत गाने का संकल्प करने वाली आशा ने हिंदी समेत तमाम भारतीय भाषाओं के गीत गाए। व्यक्तित्व की जीवटता उनके गीतों में भी शिद्दत से मौजूद रही। व्यवहार में मुखरता, गीतों में मस्ती और बेबाक हाजिरजवाबी उनका विशिष्ट गुण था। एक संगीत साधक परिवार में जन्मी आशा ने छोटी उम्र से गाना शुरू किया और अपने गायन में विविधता को लगातार विस्तार दिया। यह विश्वास कर पाना कठिन है कि एक गायिका क्लासिक गीतों से लेकर पॉप,जैज,गजल तथा कव्वाली गाने में भी पारंगत हो सकती है। निस्संदेह, बॉलीवुड व गायकी की दुनिया, उनकी जिंदादिली व गायकी के उल्लासमय अंदाज को सदैव याद रखेगी।

जीवनपर्यंत गाने का संकल्प करने वाली आशा ने हिंदी समेत तमाम भारतीय भाषाओं के गीत गाए। व्यक्तित्व की जीवटता उनके गीतों में भी शिद्दत से मौजूद रही। व्यवहार में मुखरता, गीतों में मस्ती और बेबाक हाजिरजवाबी उनका विशिष्ट गुण था। एक संगीत साधक परिवार में जन्मी आशा ने छोटी उम्र से गाना शुरू किया और अपने गायन में विविधता को लगातार विस्तार दिया। यह विश्वास कर पाना कठिन है कि एक गायिका क्लासिक गीतों से लेकर पॉप,जैज,गजल तथा कव्वाली गाने में भी पारंगत हो सकती है। निस्संदेह, बॉलीवुड व गायकी की दुनिया, उनकी जिंदादिली व गायकी के उल्लासमय अंदाज को सदैव याद रखेगी। अच्छे गीतकार, सधे संगीतकारों के गीत को अपने खास अंदाज से वे बेहतरीन व कालजयी बना देती थीं। इस तरह मोहम्मद रफी, मुकेश व किशोर कुमार के क्रम में आशाजी का जाना भारतीय गीतमाला के एक युग का अवसान भी है। लेकिन इस महान प्लेबैक सिंगर की आवाज सालों-साल तक भारतीय परिदृश्य में गूंजती रहेगी।

आशा के गीतों की विशिष्टता यह भी है कि पीढ़ियों के बदलाव के बीच भी उनकी जवां आवाज हमेशा पसंद की जाती रही। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि हमने उनके चुलबुले गीतों व शोखी के अंदाज को तो देखा, लेकिन उनके जीवन के विकट संघर्ष को नजरअंदाज किया। उन्होंने अपने संगीत की विरासत वाले परिवार में लता मंगेशकर जैसे विराट वट वृक्ष तले अपना विकास किया। सफलता के पहले पायदान पर पहुंचने का उनका सपना प्रतिभा के बावजूद सफल न हो सका। लता के वर्चस्व के चलते कई प्रतिभाएं समय से पहले ही गुमनामी की दुनिया में चली गईं, लेकिन इसके बावजूद आशा ने अपनी एक अलग पहचान बनाये रखी। उसमें उनकी प्रतिभा के साथ जीवटता भी शामिल रही। उन्होंने पिता दीनानाथ मंगेशकर की संगीत विरासत को समृद्ध ही किया। 'चुनरिया' फिल्म से पार्श्व गायन की शुरुआत करने वाली आशा ने फिर मुड़कर नहीं देखा। वे लता के एकछत्र राज्य के बावजूद कई संगीतकारों की पहली पसंद बनी। उन्हें उस दौर के बड़े संगीतकारों व बड़े बैनरों के साथ काम करने के भी अवसर मिले, बावजूद इसके कि मैदान में लता के अलावा कई अन्य प्रतिस्पर्धी मौजूद थे। उनकी निजी जिंदगी का संघर्ष भी साथ-साथ चला। निजी फैसलों ने भी मंगेशकर परिवार में असहज स्थिति पैदा की। इससे उनके कैरियर की गति बाधित हुई। कालांतर 'बूट पॉलिश' व 'परिणीता' के गीतों की सफलता के बाद ओपी नैयर के सान्निध्य में उनके कैरियर को नई दिशा मिली। उनकी कामयाबी से देश परिचित है। उनके जाने से पैदा हुआ शून्य सदैव अखरता रहेगा।

पाकिस्तान को लेकर भारतीय रवैये के प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

पश्चिम एशिया में युद्ध-विराम के बाद इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता हुई। जहां पाकिस्तान अपनी हैसियत से ज़्यादा भूमिका निभा रहा है, परंतु भारत अपनी क्षमता से कम क्यों रहा है? जबकि इसका मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन, ईरान युद्ध और शांति वार्ताओं में पाक का उपयोग कर खुद को बतौर दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाने की कोशिश में है।

पुराने 'बुरे' वक्त में, जब भारत और पाकिस्तान के आम नागरिकों को इजाज़त थी कि चाहें तो लंच लाहौर में, डिनर पटियाला में, चाहें तो कराची में किसी शादी समारोह में शिरकत करें या फिर कादियां में किसी की मैयत में भाग लें। आप अक्सर ऐसी छोटी-मोटी बातों से सुना करते थे- लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स से पढ़ा वह आतंकवादी उमर शेख जिसे आईसी 814 के अपहृत यात्रियों के बदले रिहा किया गया था, वह इस्लामाबाद में किताबों की मशहूर दुकान चला रहा है-कि पाकिस्तानियों को पाकिस्तान और चीन के बीच गहरे, रणनीतिक संबंधों पर खूब नाज़ है। वे कहते हैं : दोनों देशों का 'सदाबहार रिश्ता' हिमालय से ऊंचा, समुद्र से गहरा और शहद से मीठा है।

आज की उलझी सी दुनिया में, यह बात 'धुरंधर-3' (सीक्वल) से उठाई गई पंक्ति लग सकती है - मुगालता न रहे कि आदित्य धर पहले से पाकिस्तान के प्रति भारत के जुनून के बारे में विस्तार से लिख रहे होंगे; इस सच्चाई के बावजूद कि अपने इस पश्चिमी पड़ोसी के साथ हमारे किसी किस्म के आधिकारिक संबंध नहीं। यह तथ्य है कि आम लोगों का परस्पर संवाद अक्सर विदेश मामलों की तकनीकी शब्दावली को उसी शब्दावली से कहीं बेहतर समझा सकता है।

तो जहां तक, इस्लामाबाद में , जो 39 दिनों तक चली लड़ाई के बाद अमेरिका और ईरान के बीच प्रत्यक्ष शांति वार्ता का स्थल रहा, वहां केवल तीन देशों के प्रतिनिधि मौजूद रहे : सर्वशक्तिमान अमेरिकी (जिसका प्रतिनिधित्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने किया, बुरी तरह तबाह हो चुके लेकिन फिर भी अजेय ईरानियों का नेतृत्व वहां की संसद के सभापति मोहम्मद बाघेर ग़ालिबाफ ने किया। (क्योंकि या तो अली लारीजानी जैसे अधिकांश शीर्ष ईरानी नेता मारे जा चुके या घायल हैं, जैसे सुप्रीम लीडर मोज़तबा खामेनेई) और पाकिस्तान - वहीं कुछ और भी मुल्क होंगे, जिन्होंने परदे के पीछे इस फिल्म में ज़्यादा अहम किरदार निभाया। चीन, रूस, इस्राइल, लेबनान, सऊदी अरब, यूएई। ज़रा इन नामों पर नज़र डालें,कि किस प्रकार आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क द्वारा संचालित एक होटल में वैश्विक व्यवस्था में हलचल हुई होगी-यहां बात आगा खान की, इतिहास में रुचि रखने वाले बुजुर्गों को याद होगा कि वे भारतीय थे।

वार्ता कक्ष में चीन के मौजूद न होने की वजह यह है कि वह बाहर रहकर तगड़ी भूमिका निभा रहा है-यानि पाकिस्तान का साथ। चीन कई दशकों से, पाकिस्तान को संकटों से उबारता आया है; उसके लिए सड़कें, हाईवे व बंदरगाह बनाए, और सैन्य निवेश किया, उसकी वायुसेना, उसकी परमाणु एवं मिसाइल क्षमता भी विकसित करवाई- यह इस्लामाबाद के एफ-6 इलाके के एक रेस्तरां में कॉफी पीते हुए, पाकिस्तानी भी कबूलते हैं कि अपने 'सदाबहार दोस्त' के लिए पाकिस्तान महज़ ग्राहक राष्ट्र है। लेकिन यदि पाकिस्तान के संबंधित पक्षों से रिश्ते बढ़िया न होते तब चीन शांति वार्ता में इतनी अहम भूमिका नहीं निभा पाता।

यही वजह कि पश्चिम एशिया में हुए युद्ध से दो सबक हैं। पहला,विनम्र रहें, घमंडी न बनें। (देंग शियाओपिंग ने अपने दिशा-निर्देश 'ताओगुआंग यांगहुई' के ज़रिए इसे खूबसूरती से समझाया था - 'अपनी ताकत छिपाकर रखें और सही समय का इंतज़ार करें')। केवल अमेरिका व इस्राइल ही नहीं जिन्हें अपने से कहीं ज़्यादा कमज़ोर ईरान के सामने झुकने को विवश होना पड़ा। बात पड़ोस की करें तो, जैसे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाकिस्तान को 'दलाल' कहकर कटाक्ष किया, इससे अब भारत को असहज स्थिति का सामना करना पड़ सकता है; क्योंकि वही 'दलाल' बीते कुछ दशकों की सबसे अहम वैश्विक वार्ताओं में से एक में बिचौलिए की भूमिका निभा रहा है।

मीडिया जगत में मेरे कई साथी भी इस बारे असमंजस में हैं कि आज पाकिस्तान की भूमिका का वर्णन कैसे किया जाए—क्या वह शक्तिशाली मध्यस्थ है? एक महत्वहीन संदेशवाहक? कोई अप्रत्यक्ष सहयोगी? या फिर हाशिए पर आता एक कमज़ोर राष्ट्र, जो अकाल, युद्ध एवं आतंकवाद की मार झेल रहा है? कदाचित या तो उस पर उक्त तमाम विशेषण लागू होते हैं या फिर एक भी नहीं। अब जबकि धुरंधर-2 बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है, शायद उस समय असली सवाल बनता है कि यदि हमें पाकिस्तान से नफरत होनी चाहिए, तब फिर उसको लेकर इतना जुनून क्यों?

पश्चिम एशिया युद्ध से मिलने वाला दूसरा सबक है कि भारत और पाकिस्तान जैसे 'द्वितीय श्रेणी' राष्ट्र किसी एक पक्ष के पाले में होना गवारा नहीं कर सकते। लगता है, पश्चिम एशिया संकट से भारत ने यह सबक सीख लिया ; क्योंकि शुरू में इस्राइल की ओर झुकाव के बाद, अब तटस्थता वाले केंद्र-बिंदु की ओर सरकने की कोशिश हो रही है। यही वजह है, यह बात दिमाग को कचोटती है कि जिस दिन पाकिस्तान, ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम कराने में बिचौलिए की भूमिका निभा रहा था, ठीक उसी दिन विदेश मंत्री जयशंकर संयुक्त अरब अमीरात में क्यों मौजूद थे- जबकि इस युद्ध दौरान संयुक्त अरब अमीरात, ईरान के निशाने पर रहने वाले पसंदीदा लक्ष्यों में से एक था; क्योंकि उसे बतौर अमेरिका के सहयोगी देखा जा रहा था और नतीजतन इस्राइल को भी।

खास बात, भारत ने चीन के मामले में यह सबक अच्छी तरह सीख लिया। यह स्वीकार कर लेना कि पाकिस्तान के मुकाबले चीन कहीं ज़्यादा ताकतवर दुश्मन है-1998 में, तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ब्रजेश मिश्र ने चीन को वह वजह बताया था जिसके चलते भारत ने परमाणु शक्ति बनने की निर्णय रेखा लांघी थी-और 2020 में गलवान टकराव के बावजूद, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे, चीन एक बार फिर भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया। भारत ने बृहद परिदृश्य के परिप्रेक्ष्य में चीन को लेकर अपने पुराने रुख को बदलना सीख लिया यह अहसास करते हुए कि दूसरे लोग उसी कहानी पर अलग नज़रिया संभव है। यही वजह है, इस्लामाबाद में पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुई बातचीत इतनी अहम है। भले चीन वार्ता कक्ष में उपस्थित न हो, लेकिन इस वार्ता प्रक्रिया में सबसे अहम किरदार है। अगर चीन का साथ न होता, तो मध्यस्थता करने की पाकिस्तान की पेशकश का कोई खास मोल न होता। ट्रंप भी इसे स्वीकार करते हैं। और इससे पाकिस्तान को खुशी-खुशी 'दलाल' बनने की अनुमति मिल गई। भारत भी यह मानता है। लेकिन क्योंकि विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के साथ क्या किया जाए, इस पर खुद गुंझल में फंसा है- यह निर्णय कि जब तक सीमा पार से आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद नहीं होता तब तक वार्ता नहीं; ऐसा करके असल में पाकिस्तान के उस सैन्य-प्रतिष्ठान को, जिसके हाथ में आतंकियों की लगाम है, दोनों देशों के रिश्तों पर वीटो अधिकार दे रखा है, इससे भारत का अपना वजन कमज़ोर पड़ जाता है-चीन रूपी पहेली का हल भी बेवजह अनसुलझा है।

निश्चित, पाकिस्तान अपनी हैसियत से ज्यादा भूमिका निभा रहा है, वह अमेरिकियों की खुशामद कर रहा, चीन से गठबंधन बनाए है, खुद को सऊदी अरब के हाथों बेच रहा है और ईरान को रिझाने की कोशिश जारी है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भारत अपनी वास्तविक क्षमता के मुकाबले इतनी कमज़ोर भूमिका क्यों रखे है? खासकर तब,जबकि स्पष्ट दिख रहा है कि इसका मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन, ईरान युद्ध और शांति वार्ताओं में पाकिस्तान की भूमिका का उपयोग कर खुद को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के तौर पर स्थापित करने की कोशिश में है।

भारत का पाकिस्तान को लेकर जुनून केवल उस तक ही सीमित क्यों है, जबकि इस 'इस्लामी गणराज्य' के सिंहासन के पीछे असल शक्ति चीन है?

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

प्रकृति से जुड़ने पर हमारा खुद से संबंध बेहतर होता है

एन. रघुरामन

यह मेरा बेटा है, और मैं इसे आपकी देखरेख में छोड़ रही हूं, इसका ख्याल रखिएगा।' मेरी मां इसी तरह से मेरा, हमारे बचपन के घर के बाहर खड़े उस बड़े-से गूलर के पेड़ से परिचय कराती थीं। वे मुझे उसकी दो मजबूत शाखाओं से बंधे साड़ी के एक झूले में लिटाया करती थीं।

पेड़ बहुत घना और छायादार था। जब मैं झूले में सो रहा होता, तब मां पेड़ के नीचे बैठकर चावल, दाल आदि साफ करती थीं। जागने पर भी मैं रोता नहीं था, क्योंकि पेड़ मेरा मन बहलाए रखता था- अपनी हल्की हवा से मेरे चेहरे को सहलाकर, पक्षियों को अपनी शाखाओं पर बुलाकर और उनकी चहचहाहट से मुझे विस्मित करके।

और जब सूरज अपनी दिशा बदलकर मेरी आंखों पर किरणें डालने लगता, तो वह पेड़ मेरा संरक्षक बन जाता- तेज हवा चलाकर अपनी किसी शाखा को मेरे चेहरे और तेज धूप के बीच खड़ा कर देता। मुझे धुंधली-सी याद है कि पांच-छह साल की उम्र में मैं उसी पेड़ के नीचे खेला करता था।

मैं उसके तने की छाल को खुरचने की कोशिश में अपने नाखूनों को चोट पहुंचा लेता था और उसके पत्तों को मोड़कर उनसे कुछ बना लिया करता था। फिर एक गर्मी में, हमने देखा कि स्थानीय नगर प्रशासन ने सड़क बनाने के लिए उस पेड़ को काट दिया है।

उसकी जगह सूनी पड़ी जमीन को देखकर मां और मैं शोक में डूब गए। उसके बाद मां वर्षों तक गांव नहीं गईं- और मैं भी नहीं। लेकिन उन तमाम वर्षों में वे उस पेड़ की बातें करती रही थीं और उससे जुड़ी अपने बचपन और मेरे बचपन की कहानियां सुनाती रही थीं, क्योंकि वह पेड़ मेरे परनाना ने लगाया था। हम में से कई लोगों ने अपने जीवन में किसी न किसी पेड़ से प्यार किया होगा। बाद के वर्षों में, जब मैंने पेड़ों और मनुष्यों के जुड़ाव पर कई शोध पढ़े, तो मुझे लगा कि किसी विशेष पेड़ से अपनापन महसूस करना असामान्य नहीं है।

सामान्य दृष्टि से देखें तो पेड़ पालतू जानवरों की तरह हमें कोई प्रतिक्रिया देते नहीं दिखते। लेकिन जब हम उन चीजों की सूची बनाते हैं, जो वे हमें देते हैं- केवल लकड़ी, छाया और हवा ही नहीं- बल्कि वे वायु से प्रदूषकों को हटाते हैं, कार्बन सोखते हैं, वर्षाजल के बहाव को कम करते हैं- तो स्पष्ट होता है कि हमारा उनसे एक सहजीवी संबंध है।

हालांकि ये तमाम कारण पेड़ों की सराहना के लिए हैं, लेकिन पेड़ों से प्यार करना एक अलग वजह से होता है। फिनलैंड के एक अध्ययन में यूनिवर्सिटी ऑफ तुर्कू की शोधकर्ता काल्सा वाइनियो तीन कारण बताती हैं।

पहला, यह स्मृतियों (नॉस्टेल्जिया) से जुड़ा होता है, जैसा कि ऊपर के अनुभव में देखा गया। दूसरा, आप उसे बढ़ता हुए देखते हैं, क्योंकि कई जगहों पर किसी के जन्म के समय पेड़ लगाने की परम्परा होती है। और तीसरा, पेड़ों का आकर्षण- वे बहुत बड़े, प्रभावशाली, विचित्र आकार के और अत्यंत प्राचीन होते हैं- किसी स्मारक या दुर्लभ प्रजाति के जैसे।

अमेरिका में एक फॉरेस्ट्री पाठ्यक्रम के लिए मेरी एक यात्रा के दौरान छात्रों को एक पेड़ का इंटरव्यू लेने का असाइनमेंट दिया गया था। विश्वविद्यालय आपको सिखाता है कि इसे कैसे करें। छात्र बाहर जाते हैं, एक पेड़ ढूंढते हैं और बोलकर अपना परिचय देते हैं।

यह स्वयं के लिए एक स्वीकारोक्ति भी होती है कि आप एक अन्य जीवित अस्तित्व के पास जा रहे हैं। यह आपकी कल्पना के दरवाजे खोलता है। आपको महसूस होने लगता है कि पेड़ भी आपसे बातें कर रहा है।

छात्रों से कहा जाता है कि वे पेड़ के विवरणों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें। इंटरव्यू का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है- पेड़ के साथ दस मिनट का मौन। बैठ जाइए, आंखें बंद कर लीजिए, अपने मन को जितने विचार लाने हों लाने दीजिए, और मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि आप पाएंगे पेड़ एक स्वतंत्र प्राणी के रूप में आपसे संवाद कर रहा है। अब वह केवल एक सुंदर दृश्य मात्र ही नहीं रह गया है। यही वह क्षण है, जब आप एक भावनात्मक जुड़ाव विकसित करते हैं, जिसे पर्यावरणीय संरक्षकता कहा जा सकता है।

फंडा यह है कि यदि आप अपने आसपास की प्रकृति को जानने लगते हैं, तो आप उसका मूल्य समझते हैं, उसे पोषित करते हैं, उसकी रक्षा करते हैं और पेड़ों से जुड़ाव महसूस करते हैं। उसी क्षण, आपका अपने आप से संबंध भी एक दूसरे स्तर पर पहुंच जाता है। एक रविवार को इसे आजमाने में हर्ज ही क्या है?

पौराणिक पर्व पर उत्साह-उमंग के अनेक त्योहार

डॉ. रामजीलाल

बैसाखी का त्योहार सामाजिक समरसता, एकता, धर्मनिरपेक्षता, बलिदान और समर्पण का प्रतीक है। 2016 में यूनेस्को ने इसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया।

बैसाखी, वैशाख माह का प्रसिद्ध धार्मिक त्योहार है। यह वैशाख सौर मास का प्रथम दिन होता है। इस दिन सूर्य मेष राशि में संक्रमण करता है। इसलिए बैसाखी को मेष संक्रान्ति व विषुवत संक्रान्ति के नाम से भी संबोधित किया जाता है। बैसाख (वैशाख) के प्रथम दिन अनेक क्षेत्रों में 'सोलर नववर्ष' के त्योहार जैसे जुड़ शीतल, पोहेला बोशाख, बोहाग बिहू, विशु, व पुथण्डु भी मनाया जाता है। मान्यता अनुसार 13 अप्रैल, 1699 को दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह द्वारा 'सिख धर्म' की स्थापना की गई थी। बौद्ध धर्म के अनुयायियों द्वारा 'बुद्ध पूर्णिमा' को त्योहार के रूप में मनाया जाता है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यह सौर कैलेंडर का प्रथम दिन है व हिंदू नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार लगभग 3000 वर्ष पूर्व राजा भागीरथ मुनि के रूप में कई वर्ष कठोर तपस्या के बाद गंगा नदी को पृथ्वी पर लेकर आए थे। इसे गंगा नदी अवतरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। फ्लत: गंगा स्नान का विशेष महत्व है।

इस त्योहार का कृषक बिरादरी से घनिष्ठ संबंध है। इस दिन तक रबी की फसल-गेहूं, जौ, चना इत्यादि कटाई के लिए तैयार हो जाती है। बैसाखी के दिन को शुभ दिन मान कर गेहूं की कटाई करना समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। किसान प्राकृतिक आपदाओं से बचकर फसल पकने की खुशी मनाते हैं। इस दिन परंपरा के रूप में फसल की कटाई की जाती है। पंजाबी इस दिन उत्सव मनाते हैं।

सिख धर्म में बैसाखी पवित्र व सर्वोत्तम त्योहार के रूप में मनाया जाता है। 13 अप्रैल, 1699 को आनंदपुर साहिब में सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह ने पंज प्यारों को दीक्षा देकर सिख धर्म की स्थापना की थी। ये पंज प्यारे भाई दया सिंह (खत्री-लाहौर), भाई धर्म सिंह (जाट हस्तिनापुर यूपी), भाई हिम्मत सिंह (झीउर-जगनाथपुरी-ओडिशा), भाई मोहकम सिंह (दर्जी-द्वारका-गुजरात) व भाई साहब सिंह (नाई-बीदर-कर्नाटक) विभिन्न क्षेत्रों व जातियों से सम्बंधित थे। बैसाखी के दिन गुरु गोविंद सिंह ने जब हिन्दू धर्म रक्षा हेतु पांच शीष मांगे तो यह पांचों बहादुर अनुयायी बिना विलम्ब तैयार हो गए। गुरुजी ने इनको अमृतपान कराया और सिंह की उपाधि देकर, सिख की एक विशेष पहचान निश्चित करते हुए पांच 'क'—केस, कंघा, कड़ा, कछेरा व कृपाण धारण करने का संदेश दिया। तब से बैसाखी पवित्र त्योहार रूप में मनाया जाने लगा।

बैसाखी को भारत के विभिन्न भागों में अलग-अलग नाम से मनाया जाता है। उदाहरण के तौर पर उत्तराखंड में 'बिखोती' का महत्व है। उत्तराखंड के निवासी हरिद्वार व ऋषिकेश में गंगा नदी में स्नान को पवित्र मानते हैं। असम में 'बोहाग', 'बिहू', 'रंगली बिहू', 'असमिया नववर्ष' व 'बोहाग कैलेंडर' के रूप में मनाया जाता है। बंगाल में 14 अप्रैल को 'पाहेला बेसाख' के रूप में मनाया जाता है तथा त्रिपुरा और बंगाल में शोभा यात्राएं भी निकाली जाती हैं। तमिलनाडु में पुत्थांडु, पुथुवरूषम-तमिल नववर्ष या तमिल कैलेंडर के रूप में इस त्योहार को मनाते हैं। बिहार और मिथिला क्षेत्र में इसे जुर शीतल के रूप में मनाया जाता है। भारत के पड़ोसी मुल्कों-नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान में यह त्योहार मनाया जाता है। बैसाखी के दिन, 13 अप्रैल, 1919 अमृतसर के जलियांवाला बाग में रॉलेट एक्ट का शांतिपूर्ण विरोध करने के लिए एक जनसभा आयोजित की गई, जिसमें लगभग 20,000 व्यक्ति मौजूद थे। भारतीयों की आवाज को दबाने के लिए ब्रिगेडियर जनरल रिचार्ड डायर ने सैनिक टुकड़ी के साथ घटना स्थल पर पहुंच बिना किसी चेतावनी के गोली चलाने का आदेश दिया। परिणामस्वरूप 10 मिनट में 1650 राउंड की फायरिंग में अमृतसर के सिविल सर्जन डॉक्टर सुमित के अनुसार लगभग 1800 भारतीयों की जान चली गई थी। उधम सिंह वहां मौजूद थे और उन्होंने कसम उठाई कि वह नरसंहार का बदला लेकर रहेगा। यद्यपि वह ब्रिगेडियर जनरल रिचार्ड डायर को मौत के घाट उतारना चाहता था परंतु उसकी मृत्यु 23 जुलाई, 1927 को हो चुकी थी। 13 मार्च, 1940 को कैक्सटन हॉल, लंदन में जब माइकल ओ'डॉयर एक सभा को सम्बोधित कर रहे थे उधम सिंह ने उसको मौत के घाट उतार कर जलियांवाला बाग नरसंहार का बदला लिया। 31 जुलाई, 1940 को उधम सिंह को माइकल ओ'डॉयर की हत्या के आरोप में फांसी दे दी गई।

बैसाखी का त्योहार सामाजिक, धार्मिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है। यह सामाजिक समरसता, एकता, धर्मनिरपेक्षता, बलिदान और समर्पण को बढ़ावा देता है। इसीलिए सन् 2016 में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने मंगल शोभा यात्रा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में सम्मिलित करके इसके महत्व को और बढ़ाया है।

लेखक दयाल सिंह कॉलेज, करनाल के पूर्व प्राचार्य हैं।

आफत का समंदर बंदर

अपने आसपास कई बार हम अनेक ऐसी समस्याओं से घिरे रहते हैं कि उनके समाधान के लिए चारों ओर झांकते रहते हैं। एक समस्या की जैसे चेन-सी बनी रहती है। अब मान लीजिए एक समस्या को लें। पहले उसके कारणों को ढूंढ़ना होगा, फिर उसके समाधान के लिए जिम्मेदार लोगों को फिर समाधान करने वाले तंत्र को। लेकिन ऐसा होता नहीं दिखता। मान लीजिए हम यहां पर बंदरों की समस्या का जिक्र करें। यहां तक कि कई जगह तो सरकारों ने बड़े पैमाने पर इससे निपटने की कोशिशें कीं, लेकिन हुआ कुछ नहीं।

आइये अब इस समस्या पर गौर करें। कहां से कैसे सब जुड़े होते हैं। सरकार कहती है पेड़ लगाओ देश बचाओ। पुलिस कहती है सीसीटीवी कैमरा लगाओ सुरक्षा बढ़ाओ। वन विभाग कहता है वन क्षेत्र से बाहर हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं। नगरपालिका का जवाब होता है बंदर पकड़ना हमें नहीं आता। शिकायत होती है कि बंदर हमारे घर छीन लिए गए। ऐसे में जनता क्या करे, जब बंदर सब उजाड़ दें। बंदरों के उत्पात के कारण रोज घर की दीवारें ठीक करने के लिए राज मिस्त्री बुलाओ। रोज बिजली के तार जुड़वाने को बिजली वाले को बुलाओ। रोज सीसीटीवी के तार बदलवाओ। घर की बड़ी छत खाली होते हुए भी गीले कपड़े नीचे कमरे में फैलाओ, जहां गीले कपड़ों का सूखना नामुमकिन है। छत पर सुखाओ तो बंदरों से फड़वाओ। या फिर बंदरों से खुद को कटवाकर रेबीज के इंजेक्शन लगवाओ। या फिर कैराना की सुषमा चौहान की तरह अपनी जान गंवाओ। और भी बहुत कुछ।

बंदरों के उत्पात से हुए नुकसान की भरपाई के लिए आखिर इतना पैसा कहां से लाओ? इन समस्याओं का समाधान कहां मिलेगा। यह तो स्थानीय निकाय प्रशासन से कहिए या फिर संबंधित किसी ऐसी ही इकाई से एक समस्या की बानगी भर है। आखिर ऐसी ही कई समस्याएं हैं। उनके समाधान के लिए किया क्या जाये? कभी कोई एक-दूसरे पर समस्या को टालता है तो कोई कुछ और कहता है। जनता के हिस्से आती है समस्या और अंतहीन समस्या।

इन समस्याओं के समाधान के लिए कुछ तो करना ही होगा। ऐसे समस्याओं के समाधान के लिए पहला काम तो यह जरूरी है कि हम अपने हिस्से की जिम्मेदारी अपने से शुरू करें। साथ ही संबंधित नागरिक प्रशासन की इकाई भी। बंदर जंगलों में ही रहें इसके लिए वनों को सुरक्षित रखें और शहरों में आये बंदरों को खाने का सामान न दें। नहीं तो उनकी यही आदत पड़ जाएगी।

साभार : शालिनी कौशिक डॉट ब्लॉगस्पॉट डॉट कॉम

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

मातृशक्ति के भाग्य और भविष्य को लेकर होगा महत्वपूर्ण फैसला : लक्ष्मी वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने दुर्ग सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 भारत के लोकतंत्र में एक क्रांतिकारी कदम है। इस क्रांतिकारी कदम को उठाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त कर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि बहुत-से दल इससे पहले भी यह विधेयक लेकर आए। कभी किसी ने एक सदन में पारित किया तो दूसरे सदन में उसको रखने की हिम्मत नहीं जुटा पाए।

राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि महिलाओं को केवल वोट बैंक के तौर पर तमाम राजनीतिक दलों ने देखा, लेकिन उनका अधिकार किसी ने नहीं दिया। देश की आधी आबादी को उनका अधिकार प्रधानमंत्री मोदी ने दिया है एवं सबके विकास में महिलाओं को भी जोड़ा। लोकतंत्र में महिलाओं को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत का आरक्षण दिया जाएगा।

महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर प्रधानमंत्री मोदी ने नारीत्व का जो सम्मान किया है, उसके लिए देश की सभी बहनें प्रधानमंत्री श्री मोदी को बहुत साधुवाद देती हैं कि उन्होंने इतनी ताकत के साथ भारत की संसद में इस अधिनियम को रखा है। जब इस अधिनियम को संसद के पटल पर रखा गया तब परिस्थितियाँ सकारात्मक नहीं थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने 2029 में यह बिल लागू हो, उस दिशा में कार्य किया और अभी उस पर संशोधन आ रहा है। आने वाले समय में विधानसभा और लोकसभा में संशोधन के साथ यह बिल पारित होगा 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ। महिलाओं ने देश में बहुत बेहतर काम किया। राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने आगे कहा कि 9667173333 इस नंबर मिस्ड कॉल करके महिलाएं नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना धन्यवाद ज्ञापित कर सकती हैं मैं आग्रह करती हूं कि आप सभी जरूर मिस्ड कॉल कर अपना धन्यवाद ज्ञापित करें 7

श्रीमती वर्मा ने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी ने की, जिसका सकारात्मक परिणाम आया है। आज महिलाएं नीति-निर्धारक भी हैं, केवल नीति के लाभार्थी नहीं हैं। महिलाएं अब नीति बनाएंगी। जब महिलाएं सदन में बड़ी संख्या में बैठेंगी तो सकारात्मक परिणाम आएगा, जो भारत की राजनीति को परिवर्तित करेगा।

आयोजित प्रेस वार्ता में महापौर अलका बाघमार, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, जिला महामंत्री डॉ भारती साहू, गायत्री परिवार प्रमुख विनीता तिवारी उपस्थित रहे।

प्रमुख खबरें

राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की योजनाओं का शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने पर जोर

भिलाई। नए वित्तीय वर्ष अप्रैल से प्रत्येक राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के विभिन्न योजनाओं के शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने खंड चिकित्सा अधिकारी पाटन व शहरी चरोदा के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुवनेश्वर कुमार कठौतिया ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई 3 में शनिवार को समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने फील्ड के समस्त पैरामेडिकल स्टाफऔर अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मचारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। डॉ कठौतिया ने कहा कि टी बी मुक्त भारत बनाने कमर कस लीजिए। प्रत्येक लक्षण वाले व्यक्ति का बलगम जांच करवाई जाए। वहीं जिनमें टी बी का लक्षण है लेकिन बलगम जांच मे नेगेटिव आया, ऐसे लोगों की एक्स-रे जांच कराकर टी बी खोज का दायरा बढ़ाना है। वहीं प्रत्येक हजार की आबादी वाले क्षेत्रों में 21 गर्भवती माताओं के अनुपात से पंजीकरण कराया जाए और हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को चिह्नित करते हुए संस्थागत प्रसव कराने प्रत्येक को प्रति माह 03 सामान्य प्रसव कराना है। उन्होंने कहा कि 70+ आयु समूह के लोगों का वय वंदना कार्ड बनाया जाए और निर्धारित टीकाकरण दिवस पर सभी 0 से 5 वर्ष आयु के बच्चों को टीकाकरण युविन पोर्टल टीकाकरण मे दर्ज कराया जाए। डॉ कठौतिया ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र मे माता मृत्यु और शिशु मृत्यु दर कम करना है किसी भी स्थिति मे इतने संसाधन उपलब्ध होने बावजूद हम लोग माता मृत्यु को रोक नहीं पाएंगे तो अच्छी बात नहीं है। इस दौरान बी ई टी ओ सैय्यद असलम ने बताया कि गत वर्ष के लक्ष्य को लगभग पूरा किया गया है। प्रसव मे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-3 जिला में दूसरे स्थान पर है। सेक्टर मेडिकल ऑफिसर डॉ शिखर अग्रवाल ने आश्वस्त किया कि वे क्षेत्र मे प्रत्येक राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने फील्ड के पैरामेडिकल स्टाफ को संसाधनों को उपलब्ध कराने और सहयोग करने के साथ स्वयं फील्ड में निगरानी करेंगे।

बाल साहित्यकार कमलेश को राष्ट्रीय सम्मान भोपाल में

भिलाई। बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र भोपाल के द्वारा 2026 के लिए विविध सम्मानों की घोषणा कर दी गई है। जिसके तहत पन्नालाल शर्मा बाल साहित्य सम्मान छत्तीसगढ़ के चर्चित बाल साहित्यकार कमलेश चंद्राकर को प्रदान किया जाएगा। दुर्ग निवासी चंद्राकर को यह सम्मान 3 मई को भोपाल में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय की हाल ही में चंद्राकर के पांचवें बाल गीत संग्रह 'मम्मा मेरी सुनो जरा' का भव्य विमोचन व विमर्श दिल्ली के प्रख्यात साहित्यकार दिविक रमेश की उपस्थिति में भिलाई में हुआ है। बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध केंद्र की ओर से बाल साहित्यकार, बाल चिकित्सा और बाल पत्रिका को हर वर्ष यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान दिए जाते हैं। केंद्र के निर्देशक महेश सक्सेना ने यह जानकारी दी।

दुर्ग में राजनीतिक सौहार्द की मिसाल, वोरा ने हेमचंद यादव को किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस नेता, दुर्ग के विधायक रहे अरुण वोरा ने आज स्व. हेमचंद यादव की पुण्यतिथि पर उनके निवास पहुँचकर उन्हें स्मरण किया एवं पुष्पांजलि अर्पित की।यादव के निधन के बाद से अब तक ऐसी एक भी पुण्यतिथि नहीं रही, जब वोरा उनके निवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि देने न पहुँचे हों। इस अवसर पर वोरा ने कहा कि राजनीति में भले ही वे अलग-अलग विचारधाराओं से जुड़े रहे और कई बार आमने-सामने भी रहे, लेकिन उनके प्रति मन में हमेशा सम्मान रहा। उन्होंने हेमचंद यादव के सादगीपूर्ण व्यक्तित्व और जनता के प्रति समर्पण को याद किया। गौरतलब है कि हेमचंद यादव और अरुण वोरा के बीच दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में कई चुनावी मुकाबले हुए, जहां दोनों नेता अपने-अपने दल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते हुए आमने-सामने रहे। ये मुकाबले भले ही कड़े रहे हों, लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर दोनों के बीच आपसी सौहार्द बना रहा। हेमचंद यादव दुर्ग की राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते थे और भाजपा से जुड़े रहते हुए उन्होंने क्षेत्र की सेवा में अहम योगदान दिया। वहीं अरुण वोरा भी लंबे समय से दुर्ग की राजनीति का प्रमुख चेहरा रहे हैं और क्षेत्र के विकास तथा जनसेवा में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। अरुण वोरा के साथ पूर्व महापौर आर. एन. वर्मा, राजकुमार पाली, राजकुमार साहू, अजय गुप्ता, राहुल अग्रवाल एवं सौरभ ताम्रकार ने भी श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम का पांचों ब्लॉक में हुआ सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में संगठन सृजन के तहत लगातार हो रही बैठक , सभी पांचों ब्लॉक की नियुक्ति पश्चात प्रदेश से नियुक्त जिला कांग्रेस दुर्ग शहर प्रभारी सीमा वर्मा के शहर के पांचों ब्लॉक के दौरे और बैठक में जिला कांग्रेस सहित ब्लॉक के नवनियुक्त पदाधिकारियों कार्यकारिणी की सैकड़ों की संख्या में उपस्थिति से संगठन का विस्तार हो रहा है लोगों में कांग्रेस के प्रति उत्साह और विश्वास बड़ा है ।

एक ही दिन में प्रभारी सीमा वर्मा के साथ मध्य ब्लॉक अध्यक्ष अलताफ अहमद, उत्तर ब्लाक अध्यक्ष देवश्री साहू , पूर्वी ब्लॉक अध्यक्ष मनीष बघेल,

दक्षिण ब्लाक अध्यक्ष गुरदीप भाटिया, पश्चिम ब्लाक अध्यक्ष आनंद कपूर ताम्रकार सभी ब्लाक अध्यक्षों ने अपने अपने ब्लाकों में नवनियुक्त कार्यकारिणी के साथ बैठक ली ।

प्रभारी सीमा वर्मा ने सभी ब्लाक अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं को ब्लॉक की टीम, मंडल में वार्ड में और ब्लॉक के हर बूथ में कार्यकर्ताओं की नियुक्ति का आम जनता से सीधे संवाद रखने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि बीजेपी की वादा खिलाफी और जनविरोधी नीतियों से जनता का कांग्रेस के प्रति विश्वास बड़ा है । जिसे हमे शतप्रतिशत पूरा करना है ।

जिला अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि जिला कांग्रेस के बाद सभी ब्लाकों में कार्यकारिणी की, मंडल अध्यक्षों, वार्ड अध्यक्षों की नियुक्ति हो गई है जल्दी हर बूथ में भी नई बूथ कमेटी का गठन कर आम जनता से सीधा संवाद कर कांग्रेस की रीति नीति को जन जन तक पहुंचाएंगे।

सभी ब्लाकों की महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व विधायक अरुण वोरा, प्रदेश महामंत्री राजेंद्र साहू, दीपक दुबे, पूर्व महापौर आर एन वर्मा , छाया महापौर प्रेमलता साहू सहित कांग्रेस के सभी जिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवा का पर्याय बने विधायक रिकेश : 1 रुपये के टोकन से मिल रहा चश्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एक जनप्रतिनिधि का असली धर्म जनता की पीड़ा को समझना और उसे दूर करना है। इसी ध्येय को चरितार्थ करते हुए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक ऐसी 'सेवा-मशाल' जलाई है, जिसने न केवल क्षेत्र की कार्यशैली बदली है, बल्कि हजारों चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी है। '1 रुपये' के टोकन पर उच्च गुणवत्ता वाले पावर चश्मे उपलब्ध कराने की उनकी अनूठी पहल आज पूरे विधानसभा क्षेत्र में चर्चा का केंद्र बनी हुई है।

2 अप्रैल को हनुमान जयंती के पावन अवसर पर शुरू हुई यह सेवा महज 10 दिनों में जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। अब तक लगभग 15 हजार से अधिक लोगों ने अपना पंजीयन करा कर आंखों की जांच करवाई है। आज लोकांगन

परिसर से 5,017 लोगों को चश्मों का वितरण कर विधायक ने यह संदेश दिया कि उनकी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। विधायक रिकेश सेन ने इस योजना को जटिलताओं से मुक्त रखा है। श्वेताम्बर जैन मंदिर के सामने जीरो रोड शांति नगर स्थित विधायक कार्यालय में प्रतिदिन सुबह 8 से 11 बजे तक केवल आधार और वोटर आईडी की फोटोकॉपी जमा कर पंजीयन हो रहा है। यदि किसी की दृष्टि जांच रिपोर्ट नहीं है, तो कार्यालय द्वारा निःशुल्क जांच की सुविधा भी उपलब्ध है। इस पहल का सबसे बड़ा प्रभाव उन वृद्धों और स्कूली बच्चों पर पड़ा है, जो आर्थिक तंगी या अस्पताल के चक्कर काटने के डर से अपनी आंखों की अनदेखी कर रहे थे। आज बिना किसी कतार में लगे और बिना किसी भारी आर्थिक बोझ के उन्हें 'स्पष्ट दृष्टि' मिली है। लाभार्थियों का कहना है कि विधायक ने सिर्फ चश्मा नहीं दिया बल्कि हमें आत्मनिर्भर बनाया है। एक्स-रे, डायलिसिस और ब्लड जांच जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहले से ही सुलभ करा रहे रिकेश सेन अब दृष्टि के धुंधलेपन को दूर करने के मिशन पर हैं।

विधायक रिकेश सेन ने चश्मा वितरण अवसर पर कहा कि यदि नीयत साफ हो तो सरकारी तंत्र और जनभागीदारी के समन्वय से बड़े से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। वैशाली नगर की जनता के लिए मैं विधायक ही नहीं उनके घर का सदस्य हूं और सभी के स्वास्थ्य संकट को दूर करने लगातार प्रयास कर रहा हूं।

भाजपा का 'वार्ड चलो' अभियान: वैशाली नगर मंडल के वार्ड 20 में जनसंपर्क और संवाद का आयोजन

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस पर पार्टी के प्रदेश नेतृत्व व जिला भिलाई के निर्देशानुसार गाँव चलो/वार्ड चलो अभियान का आयोजन किया गया। इसी क्रम में वैशाली नगर मंडल के शक्ति केंद्र क्रमांक 17, वार्ड 20 में सघन जनसंपर्क कार्यक्रम संपन्न हुआ। मंडल अध्यक्ष शशि भगत के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन उपस्थित रहे। विधायक ने कार्यकर्ताओं के साथ वार्ड का भ्रमण किया और केंद्र व राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रिकेश सेन ने कहा कि भाजपा का यह अभियान केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का माध्यम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र सरकार की उपलब्धियों को हर घर तक पहुँचाएं और आमजन की समस्याओं के निराकरण में तत्परता दिखाएं। इस अभियान में संगठन की मजबूती और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु जिला व मंडल स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रमुख रूप से जिला कोषाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, जिला मंत्री पारस जंघेल, पार्षद प्रदीप सेन, स्मृति दौड़के, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनीष सिंह, प्रदेश झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ कोषाध्यक्ष नागेंद्र सिंह, मंडल महामंत्री मोतीलाल श्रीवास्तव, अंकुर शर्मा, युवा मोर्चा जिला महामंत्री विनय सेन, उपाध्यक्ष शैलेंद्र सक्सेना, मंडल कार्यसमिति सदस्य, कार्यकर्ता और स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पीलिया प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य अमला मुस्तैद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वार्ड-67 सेक्टर 7 पश्चिम सड़क 37 ए भिलाई नगर में पीलिया के मरीजों की जानकारी होने पर 12 अप्रैल 2026 को डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग के निर्देशन में एवं डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी, दुर्ग के मार्गदर्शन में डॉ. पियाम सिंग, प्रभारी अधिकारी, सिविल हॉस्पिटल सुपेला भिलाई व श्रीमती रितीका सोनवानी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट, दुर्ग विजय सेजुले, सुपरवाईजर, हितेन्द्र कोसरे, बीईटीओ एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया। सेक्टर-07, स्ट्रीट-37ए भिलाई में पीलिया ग्रस्त होने के कारण लक्षण पाये गये मरीजों का रक्त नमूना लिया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार आज प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 65 घरों का भ्रमण कर 07 पीलिया से ग्रसित नए मरीज पहचान किये। इस प्रकार उक्त संक्रमित क्षेत्र में आज दिनांक तक कुल 31 पीलिया के मरीज़ मिले। जिनमें 01 पुराने मरीज डिस्चार्ज हुए। इस प्रकार भर्ती मरीज श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंस भिलाई में 03, पल्स हास्पीटल, भिलाई-1 में 01 उपचाररत है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है। पीलिया प्रदूषित जल व भोजन से फैलने वाला संक्रामक रोग है जो विषाणुओं के संक्रमण से होता है। विषाणुओं के शरीर में प्रवेश करने के 15 से 50 दिनों के भीतर बीमारी के लक्षण प्रगट होते है। पीलिया के प्रमुख लक्षण भुख न लगना, पीले रंग की पेशाब होना, भोजन का स्वाद न आना, उल्टी लगना या होना, सिर में दर्द होना एवं कमजोरी तथा थकावट का अनुभव करना, पेट के दाहिने तरफ ऊपर की ओर दर्द होना, आंखे व त्वचा का रंग पीला होना।

राजस्व वसूली में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों का सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग में वित्तीय वर्ष समाप्ति के पश्चात राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा की गई, जिसमें निगम क्षेत्र के वार्डवार राजस्व वसूली की विस्तृत समीक्षा की.

बैठक के दौरान उन्होंने राजस्व वसूली को और अधिक गति देने के लिए सख्त निर्देश दिए। उन्होंने बकाया करदाताओं पर कार्रवाई करते हुए नल कनेक्शन विच्छेद करने, वारंट जारी करने एवं आवश्यकतानुसार दुकानों को सील करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसी क्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया। राजस्व विभाग के कर्मचारी राजेश

ताम्रकार द्वारा न्यू आदर्श नगर क्षेत्र में सर्वाधिक वसूली की गई, वहीं उरला वार्ड से शिवा परिहार दूसरे स्थान पर रहे। दोनों कर्मचारियों को आयुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उन्होंने सभी कर्मचारियों को इसी प्रकार समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित करते हुए भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा जताई।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

प्रमुख खबरें

बैगा-बिरहोर बसाहटों में आधारभूत सर्वेक्षण प्रारंभ, योजनाओं से जुड़ेगा प्रत्येक परिवार

रायपुर। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सर्वांगीण विकास के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान पीएम-जनमन शुरू किया है। इस मिशन का उद्देश्य 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 75 पीवीटीजी समुदायों को पक्का घर, स्वच्छ जल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करना है। बिलासपुर जिले में कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशन में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों (पीवीटीजी) के लिए आधारभूत सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यह सर्वेक्षण मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे प्रत्येक परिवार तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान के अंतर्गत बिलासपुर जिले की 54 बसाहटों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजी) समुदाय, मुख्यतः बैगा और बिरहोर का आधारभूत सर्वेक्षण कार्य शुरू हो गया है। यह सर्वेक्षण आधुनिक तकनीक के उपयोग के साथ मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। सर्वेक्षण दल द्वारा प्रत्येक पीवीटीजी परिवार के घर-घर पहुंचकर सभी सदस्यों की विस्तृत जानकारी एकत्रित की जा रही है। इस दौरान आधार कार्ड, प्रधानमंत्री जनधन खाता, आयुष्मान कार्ड, सिकल सेल कार्ड, टीकाकरण की स्थिति, राशन कार्ड, उज्ज्वला योजना का लाभ, जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी संकलित की जा रही है। 'सर्वे सेतु ऐप' के माध्यम से यह कार्य रियल टाइम लोकेशन के आधार पर किया जा रहा है, जिससे सर्वेक्षण की पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित हो रही है। डिजिटल प्रक्रिया से न केवल आंकड़ों का त्वरित संकलन संभव हो रहा है, बल्कि योजनाओं के निर्माण में भी सहूलियत मिलेगी। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने कुछ गांवों का दौरा कर सर्वे कार्य का अवलोकन किया। इस सर्वेक्षण के माध्यम से पीवीटीजी परिवारों की वास्तविक स्थिति का आंकलन कर उन्हें शासकीय योजनाओं से जोड़ा जाएगा और उनके समग्र विकास के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जा सकेगी।

एकीकृत कृषि कार्य से गांव में बह चली समृद्धि की बयार

सब्जी बाड़ी, पोषण वाटिका, मुर्गी पालन, वनोपज संग्रहण के साथ ही मछली पालन से बढ़ी ग्रामीण आबादी की आय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सब्जी बाड़ी, पोषण वाटिका, मुर्गी पालन, वनोपज संग्रहण और मछली पालन ग्रामीण भारत में समृद्धि, स्वास्थ्य और आर्थिक स्वतंत्रता के प्रमुख स्तंभ बन रहे हैं। ये गतिविधियां न केवल परिवार को ताजी और पौष्टिक सब्जियां व प्रोटीन प्रदान करती हैं, बल्कि अतिरिक्त आय का जरिया भी बनती हैं।

महिला आजीविका में वृद्धि के लिए एकीकृत कृषि सबंधित 'दीदी के बखरी' कार्य अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रही है, जिसे देखकर बाकी दीदीयां भी अपने जीवन स्तर में सुधार लाने और आय बढ़ाने पर कार्य कर रही है।

सब्जी बाड़ी, पोषण वाटिका, मुर्गी पालन, वनोपज संग्रहण और मछली पालन से ग्रामीणजन समृद्धि की ओर उत्तर बस्तर कांकेर जिले में बिहान योजना के तहत महिलाओं के आजीविका में वृद्धि हेतु सभी स्तर पर विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं।

जिले में बड़ी संख्या में दीदियां अपने जीवन स्तर में सुधार के लिए आय मूलक गतिविधियों से जुड़ी हुई हैं। अपनी आय दुगुनी करने के लिए एकीकृत कृषि के साथ अन्य लाइवलिहुड एक्टिविटी कर रही हैं इसमें अपने घर के बखरी (बाड़ी) में व्यावसायिक रूप से सब्जी - भाजी लगाकर उसको बाजार में बिक्री कर अपनी आय में वृद्धि कर रही है, साथ ही मछली पालन, मुर्गीपालन, बकरी पालन व वनोपज संग्रहण कर रही है।

इस प्रकार से एकीकृत कृषि जिले के चार विकासखंड - नरहरपुर, कांकेर, भानुप्रतापपुर, चारामा में संचालित है, जिसमें प्रत्येक संकुल के चार गांव को लिया गया है। योजना का उद्देश्य महिला किसानों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है, जिससे उनकी औसत आय प्रतिमाह बीस से पच्चीस हजार तक पहुंच जाए।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उत्तर बस्तर कांकेर के मार्गदर्शन में यह योजना जिले में सुचारु रूप से संचालित हो रही है - यह योजना 'दीदी के बखरी' नाम से संचालित है।

दीदी के बखरी से बदली गांवों की फिज़ा

विकासखण्ड नरहरपुर में 1200 महिलाएं, कांकेर में 790, चारामा में 734 एवं भानुप्रतापपुर में 640 महिलाएं इस प्रकार कुल 3364 महिला किसानों द्वारा सब्जी बाड़ी, पोषण वाटिका, मुर्गी पालन, वनोपज संग्रहण, मछली पालन इत्यादि गतिविधियां की जा रही हैं। वित्त वर्ष 2026-27 में 10 हजार 780 महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें उनका आवश्यक सहयोग करके उनके आय में वृद्धि का प्रयास किया जायेगा।

विकासखण्ड नरहरपुर में 1200 महिलाएं, कांकेर में 790, चारामा में 734 एवं भानुप्रतापपुर में 640 महिलाएं इस प्रकार कुल 3364 महिला किसानों द्वारा सब्जी बाड़ी, पोषण वाटिका, मुर्गी पालन, वनोपज संग्रहण, मछली पालन इत्यादि गतिविधियां की जा रही हैं। वित्त वर्ष 2026-27 में 10 हजार 780 महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें उनका आवश्यक सहयोग करके उनके आय में वृद्धि का प्रयास किया जायेगा।

इनके लिए सभी कलस्टर लेवल पर आजीविका सेवा केंद्र भी खोला जा रहा है जो दीदियों द्वारा ही संचालित होगा। इसके माध्यम से इनको उक्त गतिविधि के संचालन हेतु आवश्यक बीज, कृषि उपकरण, खाद आदि मुहैया कराया जायेगा। जिला पंचायत सीईओ ने गत दिनों नरहरपुर, चारामा, भानुप्रतापपुर, कांकेर की महिला किसानों से मिलकर उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

नरहरपुर विकासखंड के सुदूर ग्राम पंचायत रावस और बांस पत्तर पहुंचे जहाँ महिला किसान सुरेखा नेताम के द्वारा बनाये गए बखरी में लगाए ग्राफ्टेड सब्जीट्ठ भाजी और मुर्गी पालन के कार्य को देख कर प्रसन्नता जाहिर की। सुरेखा ने बताया कि हरी पत्तेदार सब्जियां, कंदमूल और फल एनीमिया (खून की कमी) को दूर करते हैं और बच्चों व माताओं को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हैं।

ग्राम ठेमा की महिला किसान नामिका यादव के वनोपज और मुर्गी, मछली पालन के कार्य को देखकर काफी सराहा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण और जनजातीय समुदाय महुआ, इमली, शहद, लाख, और विभिन्न जड़ी-बूटियों का संग्रहण कर उन्हें बेचकर अपनी आय बढ़ाते हैं।

भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के ग्राम हाटकर्रा की महिला मोतिन दर्रो ने बताया कि मुर्गी पालन के साथ मछली पालन करने से मुर्गियों की बीट मछली का चारा बन जाती है, जिससे चारे का खर्च बचता है और लाभ बढ़ता है।

बकरीपालन एवं मछली पालन और सूरजमुखी की खेती के कार्य को देखकर प्रसंशा की। ग्राम धनेली की महिला जमुना कोर्राम से आजीविका डबरी से संबंधित जानकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ली तथा कठोली की दीदी से चर्चा कर उन्होंने उनकी औसत मासिक आय की जानकारी लेते हुए उन्हें कार्य के प्रति प्रोत्साहित किया

गांव चलो अभियान : समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर

- रायगढ़ विधानसभा के 5 ग्रामों में विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जिले के ग्रामीण अंचलों में अधोसंरचना और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को नई दिशा देते हुए प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी.चौधरी ने रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। 'गांव चलो अभियान' के तहत क्षेत्र के प्रवास पर पहुंचे वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है और इसके लिए लगातार जमीनी स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।

इस दौरान ग्राम-सूरजगढ़ में लगभग 192.92 लाख रुपये की लागत से निर्मित सूरजगढ़-पड़िगांव से तेलीपाली सड़क का लोकार्पण किया गया, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और यातायात सरल व सुगम होगा। वहीं ग्राम टिनमिनी में 12 लाख रुपये की लागत से शेड तथा 5.20 लाख रुपये की लागत से विक्रम घर से स्कूल तक सीसी रोड का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर कक्षा 12वीं की छात्रा अंजली सतपति को उनकी शैक्षणिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत नावापाली में 7.50 लाख रुपये की लागत से सांस्कृतिक शेड का लोकार्पण किया गया, जिससे ग्रामीणों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

इसी क्रम में पड़िगांव में जगन्नाथ मंदिर के पास 7 लाख रुपये की लागत से निर्मित शेड का लोकार्पण किया गया। साथ ही 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन तथा चौहान मोहल्ला में 10 लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी किया गया। ग्राम गुडू में वार्ड क्रमांक 01 में 10 लाख रुपये की लागत से बनी सीसी रोड का लोकार्पण किया गया, वहीं 10.40 लाख रुपये की लागत से बनने वाली एक अन्य सीसी रोड का भूमिपूजन किया गया।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने टिनमिनी सहित अन्य गांवों में गांव चलो अभियान के तहत चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इन कार्यों से न केवल बुनियादी सुविधाएं बेहतर होंगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

अंतिम छोर तक पहुंच रहा शासन की योजनाओं का लाभ

- चुरेगांव में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार विकासखण्डवार जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दूरस्थ अंचलों के गांवों तक पहुंचाया जा रहा है। इसी क्रम में बीते दिनों कोंडागांव जिले के केशकाल विकासखंड अंतर्गत जिले के सीमा पर स्थित ग्राम चुरेगांव में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

शिविर में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता के साथ सुना। इस दौरान कलेक्टर, जिला पंचायत सदस्य कपिल नाग, जनपद सदस्य घसियाराम सेठिया सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर प्राप्त आवेदनों को जानकारी ली और निराकरण हेतु निर्देशित किया।।

कलेक्टर ने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाना है, ताकि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु ब्लॉक या जिला मुख्यालय तक न आना पड़े। उन्होंने आश्वस्त किया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों एवं समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाएगा। उन्होंने श्रम पंजीयन के लाभों की जानकारी देते हुए ग्रामीण महिलाओं को आजीविका संवर्धन हेतु ई-रिक्शा योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही पशुपालन विभाग की योजनाओं से जुड़ने एवं विकसित भारत जीरामजी योजना के अंतर्गत शेड निर्माण का लाभ उठाने की अपील की।

शिविर में ग्रामवासियों से विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर कुल 84 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर स्थल में समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को 04 ट्रायसायकल एवं 01 बैसाखी वितरित की गई। मुख्यमंत्री पेंशन सहायता योजना के अंतर्गत 03 हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृत की गई। इसी प्रकार 13 आधार कार्ड, 7 जाति प्रमाण पत्र, श्रम विभाग द्वारा 11 श्रम कार्ड, खाद्य विभाग द्वारा 14 राशन कार्ड, उद्यान विभाग द्वारा 03 वर्मी बेड प्रदान किए गए। राजस्व विभाग द्वारा 15 किसान किताब, कृषि विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को रागी बीज वितरण और वन विभाग द्वारा राजमोहिनी देवी तेंदूपत्ता संग्राहक बीमा योजना के अंतर्गत ग्राम हिचका की श्रीमती सुनीता मंडावी को 02 लाख रुपए एवं ग्राम कावागांव की श्रीमती सुपोतिन कोर्राम को 30 हजार रुपए की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। साथ ही वन विभाग द्वारा 200 पौधे का भी वितरण किया गया।

गीग मजदूरों के पुनरुत्थान का शंखनाद, ई-श्रम पोर्टल में अब इनका भी हो रहा पंजीयन

- महाराष्ट्र मंडल में हुई गीग मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा और उत्थान पर संगोष्ठी
- देश में 80 लाख से अधिक और छत्तीसगढ़ में दो लाख गीग वर्कर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गीग मजदूर यानी ओला, उबर, जोमेटो, रैपिडो, स्विगी, अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे संस्थानों में कार्य करने वाले मजदूरों के जिन्हें कंपनियां अपना पार्टनर कहती है, लेकिन उनकी सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति उदासीन रहती है। गीग मजदूरों के लिए आयोजित आज की यह संगोष्ठी उनके पुर्नउत्थान का शंखनाद है। गीग मजदूरों को आज यूनियन की जरूरत हैं, क्योंकि एकता ही शक्ति है। उक्ताशय के विचार रविवार को महाराष्ट्र मंडल में आयोजित संगोष्ठी में भारतीय मजदूर संघ की अध्यक्ष शोभा सिंहदेव ने कहीं।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए शोभा सिंहदेव ने कहा कि आनलाइन सेवाएं देने वाली कंपनियां आपको पार्टनर तो कहती है, लेकिन इस शब्द की आड में आपको बुनियादी सुविधाओं से दूर रखती है। इन्हीं सुविधाओं को उनसे लेने के लिए हमें संगठित रहना जरूरी है।

छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा ने कहा कि संगठन की शक्ति है। उसी संगठन का परिणाम है कि आज केंद्र में मोदी की सरकार बैठी है। गीग वर्करों का एक बड़ा तंत्र देश में कार्य कर रहा है। वह हर व्यक्ति को आपको घर पहुंच सेवा देता है गीग वर्कर की श्रेणी में आता है, फिर यह जरूरी नहीं कि वह किसी बड़ी कंपनी से जुड़ा हो। चार नये श्रम कानून मजदूरों के हित में है।

कर्मकार मंडल के पूर्व अध्यक्ष मोहन एंटी ने कहा कि गीग वर्करों को अपने अधिकारों को जानना जरूरी है। आपको अब ई-श्रम में पंजीयन का अधिकार है। पहले यह अधिकार नहीं था। श्रमिक पंजीयन के तहत दो लाख रुपये का बीमा भी आपका अधिकार है। वहीं किसी कंपनी द्वारा आईडी ब्लाक कर देने पर कंपनी के विरुद्ध सुनवाई का भी आपको अधिकार है। अधिकार जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी आपके कर्तव्य भी है। और आपका कर्तव्य है कि आप कंपनी को अपनी सही जानकारी दें। कंपनी के साथ होने वाले अनुबंध को अच्छे से पढ़े और समझे।

इससे पूर्व स्वतंत्र श्रमिक शोधार्थी सुश्री शुभांगी शुक्ला ने कहा कि गीग की सेवा देश की अर्थ व्यवस्था के लिए जरूरी है। बड़ी कंपनी सरकार तक अपनी बात आसानी से पहुंचा देती है, लेकिन गीग मजदूरों को अपनी बात सरकार तक पहुंचाने के लिए एक उचित माध्यम चाहिए और वह माध्यम हमारा संगठन हैं। देश की जीडीपी में गीग मजदूरों का लगभग 2 फीसद योगदान है।

इनकी परेशानियों को सरकार तक पहुंचाने का काम संगठन कर रहा है। राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना जैसे राज्यों में गीग मजदूरों के लिए कानून बन चुके है। छत्तीसगढ़ में भी इसकी तैयारी कर चल रही है।

छत्तीसगढ़ शासन की मोर संगवारी प्रोजेक्टर के परियोजना प्रबंधक और महाराष्ट्र मंडल के परितोष डोनगांवकर ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गीग श्रमिकों को बताया कि अब बे शासन की ई-श्रम पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकते है। अब पोर्टल में इसके लिए अलग से विकल्प दिया गया है। इसमें आपको अपनी कंपनी का नाम दर्ज करना होगा। इसके तहत आपको दो लाख का बीमा लाभ भी मिलता है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष और समाजसेवी अजय मधुकर काले ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ की शुरूआत भी कुछ इसी तरह कुछ लोगों के साथ हुई थी। आज वह देश की बड़ी संघ के रुप में मजदूरों के हित के लिए कार्य कर रही है। आज की यह संगोष्ठी गीग मजदूरों की सफ्लता की पहली सीढ़ी है। संगठन की शक्ति ही सफ्लता दिलाएगी। इस दौरान छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल द्वारा 20 गीग मजदूरों को साइकिल खरीदने के लिए 3697 रुपये का चेक प्रदान किया गया।

मेकअप में और खराब लगती हूं, नेहा शर्मा ने खुद पर किया मजेदार कमेंट

फिल्मी दुनिया में जहां सितारे अक्सर अपने परफेक्ट लुक और ग्लैमरस अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वहीं कई बार वही सितारे अपने फैंस के सामने अपनी असलियत भी खुलकर रखते नजर आते हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने फैंस को भी हैरान कर दिया।

नेहा शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह मेकअप किए हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में वह अपने बालों को फ्लिप करते हुए अपने लुक को दिखा रही हैं। आमतौर पर जहां सेलेब्रिटीज अपने मेकअप लुक की तारीफ करते हैं। वहीं नेहा ने इस बार बिल्कुल अलग अंदाज अपनाया। वीडियो के साथ उन्होंने बेहद ईमानदारी से लिखा, मुझे अपने बाल और मेकअप ठीक से करना नहीं आता। मुझे इस स्किल को सीखने की जरूरत है, ताकि मैं खुद को बेहतर तरीके से प्रजेंट कर सकूं।

इतना ही नहीं, नेहा ने अपने मेकअप लुक पर मजाकिया अंदाज में सवाल भी उठाया। उन्होंने लिखा, क्या मैं ही अकेली लड़की हूं जिसे लगता है कि मेकअप के साथ मैं और भी खराब दिखती हूं?

नेहा शर्मा की बात करें तो उन्हें कुकिंग, म्यूजिक सुनना, किताबें पढना और डांस करना बेहद पसंद है। नेहा ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक की ट्रेनिंग ली है और इसके अलावा, उन्होंने लंदन के पाइनएप्पल डांस स्टूडियो से स्ट्रीट हिप-हॉप, सालसा, मेरेंग्यू, जाइव और जैज जैसे कई वेस्टर्न डांस फॉर्म भी सीखे हैं।

फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 2007 में तेलुगु फिल्म चिरुथा से करियर शुरू किया और बाद में क्रूक, क्या सुपर कूल हैं हम, यमला पगला दीवाना 2, तान्हाजी और जोगीरा सारा रा रा जैसी फिल्मों में नजर आईं। इसके अलावा, वह इल्लिगल जैसी वेब सीरीज और कई म्यूजिक वीडियोज में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं।

रिलेशनशिप में आने के सवाल पर शुभांगी अत्रे ने शेयर की भावनाएं

कहा, अब पका घड़ा हो चुकी हैं

छोटे पर्दे पर आने वाले सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' की शुभांगी अत्रे टीवी का बड़ा चेहरा हैं। उन्होंने तकरीबन 10 साल तक सीरियल में अंगूरी भाभी का किरदार निभाया। उन्होंने अपनी निजी जिंदगी और भावनाओं से जुड़ी बातें कीं। उन्होंने रिलेशनशिप में आने के सवाल पर भी खुलकर बात की।

अभिनेत्री ने कहा, जिंदगी कई चैप्टर के साथ आती है, और इसमें कुछ लोग जाते हैं और कई लोग आकर चले जाते हैं। 20 की उम्र में ऊर्जा ज्यादा होती है, लेकिन सही और गलत की पहचान नहीं होती, जबकि बढ़ती उम्र के साथ फैसले लेने की क्षमता भी बढ़ जाती है क्योंकि आप स्वीकार करना सीख जाते हैं। आपको पता होता है कि जो हो रहा है, वो ठीक ही होगा और इसका कोई न कोई कारण होगा और शिकायतें भी कम हो जाती हैं। अभिनेत्री की बेटी यूएस में पढ़ाई कर रही हैं और उससे दूरी बर्दाश्त करना थोड़ा मुश्किल हो रहा है। मां और बेटी के रिश्ते पर बात करते हुए शुभांगी ने कहा, बेटी यूएस में पढ़ रही है और टाइम जोन का इतना फर्क है कि कभी काफी लंबा समय हो जाता है बिना बात किए।

मुझे लगता है कि पढ़ाई करना सबसे ज्यादा जरूरी है, जैसे मैं इंदौर से मुंबई आई अपने सपनों को पूरा करने के लिए, वैसे ही अपनी बेटी को उसका सपना पूरा करने के लिए यूएस भेजा है। हर माता-पिता का कर्तव्य है कि वो अपने बच्चों को उडने् का हौसला दें और आज के समय में हर महिला का सशक्त होना बहुत जरूरी है।

शुभांगी अत्रे सिंगल हैं और फिलहाल किसी तरह के रिलेशनशिप में नहीं आना चाहती हैं। अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका खुद का अनुभव कहता है कि पति-पत्नी से ज्यादा उन्हें दोस्ती का रिश्ता पसंद है। कभी-कभार बहुत अकेला लगता है, खासकर किसी परेशानी के समय में, लेकिन अब इस उम्र के साथ चीजों से डील करना भी आ गया है। इस उम्र में मुझे लगता है कि आप पका घड़ा बन जाते हैं, जिसे किसी रिश्ते में ढालना मुश्किल होता है।

उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए वो पति-पत्नी ज्यादा अच्छे हैं, जो दोस्त हैं। वो रिश्ता खुलकर जीने वाला होता है, न कि डरने वाला। अगर मैं किसी रिश्ते में आई भी तो पहले दोस्ती का रिश्ता बनाऊंगी। मुझे नहीं लगता है कि मुझे किसी भी फैसले को लेकर कभी रिग्रेट हुआ है। मेरा मानना है कि जिंदगी में कोई भी आता है, वो आपको कुछ सिखाने के लिए आता है। मेरी शादी भी बहुत जल्दी हो गई थी, लेकिन समय के साथ हर किसी की भावनाएं बदल जाती हैं, तो मुझे कुछ चीजों की याद आती हैं, लेकिन किसी को लेकर पछतावा नहीं है।

रोते हुए बच्चे को शांत करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, जल्द मिलेगा आराम

बच्चों का रोना एक आम बात है, लेकिन जब बच्चा लगातार रोए तो माता-पिता के लिए यह चुनौतीपूर्ण हो सकता है। बच्चे का रोना उसके असहज होने या किसी परेशानी के कारण हो सकता है। इस लेख में हम कुछ सरल और प्रभावी तरीकों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आप अपने बच्चे को शांत कर सकते हैं और उसे आराम दे सकते हैं। इन तरीकों को अपनाने से आपका बच्चा जल्दी शांत होगा और वह खुश रहेगा।

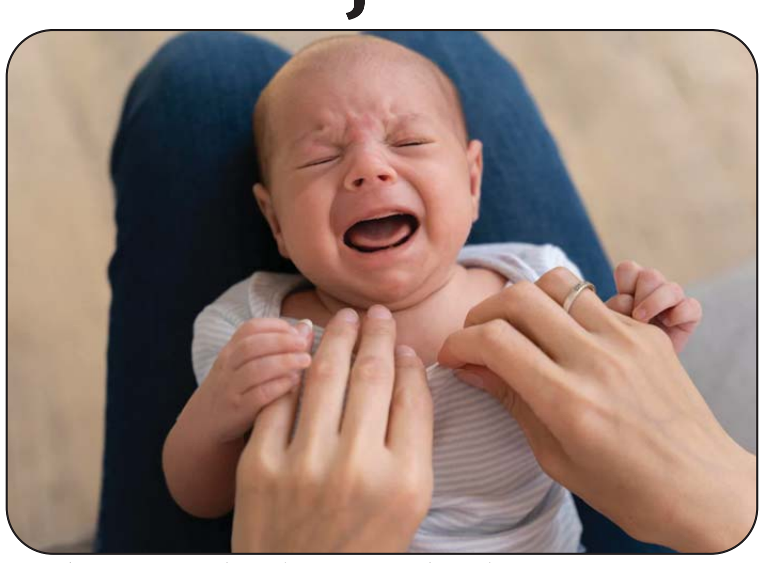

गोद में उठाकर चलें

बच्चे को गोद में उठाकर चलना एक पुराना और असरदार तरीका है। इस दौरान आप धीरे-धीरे गुनगुनाते हुए या लोरी गाकर बच्चे को सुकून पहुंचा सकते हैं। इससे बच्चे को महसूस होता है कि वह सुरक्षित है और उसका ध्यान भटक जाता है। आप उसे हल्के-हल्के झुलाते हुए भी चल सकते हैं। इससे बच्चे का मनोबल बढ़ता है और वह जल्दी शांत हो जाता है।

झूला झूलाएं

झूला झूलाना बच्चों के लिए बहुत आनंददायक होता है। अगर आपके पास झूला हो तो उसे जरूर झुलाएं। अगर नहीं है तो आप किसी आरामदायक बिस्तर पर बच्चे को धीरे-धीरे झुला सकते हैं। इससे बच्चे को सुकून मिलता है और वह जल्दी शांत हो जाता है। इसके अलावा आप उसे हल्के-हल्के थपथपाते हुए भी झुला सकते हैं। इससे बच्चे को सुरक्षा का अहसास होता है और वह जल्दी शांत हो जाता।

गुनगुनाएं या लोरी सुनाएं

गुनगुनाना या लोरी सुनाना बच्चों को बहुत पसंद होता है। आप अपने पसंदीदा गीत गुनगुनाते हुए या किसी प्यारी सी लोरी गाकर बच्चे को सुकून दे सकते हैं। इससे बच्चे का मनोबल बढ़ता है और वह जल्दी शांत हो जाता। आप अपने आवाज में नर्मता और प्यार भरे शब्दों का उपयोग कर सकते हैं ताकि बच्चा जल्दी शांत हो जाए। यह तरीका न केवल प्रभावी है बल्कि आपके और आपके बच्चे के बीच एक खास बंधन भी बनाता है।

हल्की मालिश करें

बच्चे की हल्की मालिश करना उसके लिए बहुत फायदेमंद होता है। आप नारियल तेल या बादाम तेल का उपयोग कर सकते हैं ताकि उसकी त्वचा को पोषण मिले और वह आराम महसूस करे। मालिश करते समय बच्चे को धीरे-धीरे थपथपाएं ताकि उसे सुकून मिले। इससे उसका मनोबल बढ़ता है और वह जल्दी शांत हो जाता। यह तरीका न केवल असरदार है बल्कि आपके और आपके बच्चे के बीच एक खास बंधन भी बनाता है।

शांत जगह पर ले जाएं

अगर बच्चा बहुत ज्यादा रो रहा हो तो उसे किसी शांत जगह पर ले जाएं जैसे बगीचे या बालकनी आदि। वहां ताजगी भरी हवा मिलेगी जिससे उसका मनोबल बढ़ेगा और वह जल्दी शांत हो जाएगा। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपने बच्चे को आसानी से शांत कर सकते हैं। याद रखें कि हर बच्चा अलग होता है इसलिए आपको यह देखना होगा कि कौन सा तरीका आपके बच्चे के लिए सबसे अच्छा काम करता है।

धुरंधर 2 और डकैत पर भारी पड़ी लव इंश्योरेंस कंपनी

प्रदीप रंगनाथन की नई फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी इस शुक्रवार, 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर अदिवि सेष और मृणाल ठाकुर की डकैत के साथ क्लैश हुआ है। वहीं इसे ब्लॉकबस्टर 23 दिन पुरानी धुरंधर 2 से भी मुकाबला करना पड़ा है। बावजूद इसके लव इंश्योरेंस कंपनी ने इन दोनों फिल्मों से अच्छी शुरुआत की है। चलिए यहां जानते इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन कितना कलेक्शन किया है?

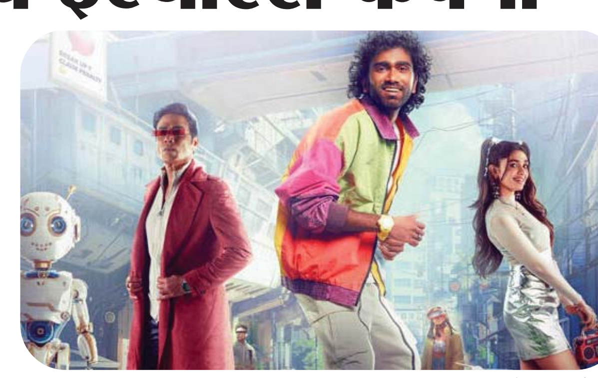

साइंस-फिक्शन रोमांस फिल्म लव इंश्योरेंस कंपनी को रिलीज के पहले दिन दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक लव इंश्योरेंस कंपनी ने भारत में पहले दिन 3,202 शो में 6.85 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया गया। इसके साथ ही फिल्म का कुल भारतीय कलेक्शन अब तक 7.93 करोड़ रुपये हो गया है। विदेशी बाजारों से इसने 2.00 करोड़ रुपये जोड़े जिससे शुक्रवार को फिल्म का कुल ग्लोबल कलेक्शन 9.93 करोड़ रुपये हुआ है।

बता दें कि लव इंश्योरेंस कंपनी के तमिल वर्जन ने 2117 शो में 5.45 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन और 37.0% ऑक्यूपेंसी के साथ बढ़त बनाई। तेलुगु वर्जन ने 1,085 शो में 25.0% ऑक्यूपेंसी के साथ 1.40 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। ओपनिंग डे पर कुल ऑक्यूपेंसी 32.9% रही।

लव इंश्योरेंस कंपनी ने 6.85 करोड़ के कलेक्शन के साथ नई रिलीज डकैत पर पहले दिन दबदबा बनाया। वहीं इसने 23 दिन पुरानी धुरंधर 2 से भी ज्यादा कलेक्शन किया है। बता दें कि डकैत की पहले दिन की कमाई सैकनिल्क के मुताबिक 6.50 करोड़ रही है। जबकि धुरंधर 2 ने 23वें दिन 6.70 करोड़ कमाए हैं। देखने वाली बात होगी कि ये फिल्में वीकेंड पर कैसा परफॉर्म करती हैं। लव इंश्योरेंस कंपनी में एक आदमी प्यार की तलाश में मोबाइल गैजेट का इस्तेमाल करके 2035 में टाइम ट्रैवल करता है। कहानी यह सवाल उठाती है कि क्या रोमांस के मामलों में कोई ऐप सचमुच दिल की जगह ले सकता है।

विग्नेश शिवन द्वारा निर्देशित, लव इंश्योरेंस कंपनी रोमांस और कॉमेडी का बेहतरीन ब्लेंड है, जो दर्शकों को भरपूर मनोरंजन देने का वादा करती है. फिल्म में एस. जे. सूर्या और कृति शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही योगी बाबू, सीमान, गौरी जी किशन, शाह रा, मालविका और सुनील रेड्डी जैसे दमदार कलाकारों की टोली भी है। ये राउडी पिक्चर्स और सेवन स्क्रीन स्टूडियो द्वारा निर्मित है।

क्या रोजाना स्ट्रेचिंग करने से कम हो सकती है चोट लगने की संभावना? जानिए सच्चाई

रोजाना स्ट्रेचिंग करने की आदत को स्वस्थ जीवनशैली का एक अहम हिस्सा माना जाता है। कई लोग मानते हैं कि इससे शरीर का लचीलापन बढ़ता है और चोट लगने की संभावना कम होती है। हालांकि, क्या सच में रोजाना स्ट्रेचिंग करने से चोट लगने की संभावना कम हो जाती है? इस लेख में हम इसी सवाल का जवाब जानेंगे और समझेंगे कि स्ट्रेचिंग का शरीर पर क्या असर पड़ता है।

स्ट्रेचिंग और लचीलापन

स्ट्रेचिंग करने से मांसपेशियों में खिंचाव की क्षमता बढ़ती है, जिससे वे बेहतर तरीके से काम कर सकती हैं। लचीली मांसपेशियां चोट लगने की संभावना को कम कर सकती हैं, क्योंकि वे आसानी से खिंचती और सिकुड़ती हैं। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि रोजाना स्ट्रेचिंग करने से ही लचीलापन बढ़े। सही तरीके से स्ट्रेचिंग करना भी उतना ही जरूरी है। अगर आप गलत तरीके से स्ट्रेचिंग करेंगे तो इससे उल्टा फायदा होने के बजाय नुकसान हो सकता है।

वार्म-अप का महत्व

किसी भी शारीरिक गतिविधि से पहले शरीर को तैयार करना बहुत जरूरी होता है। इससे शरीर तैयार हो जाता है और मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं, जिससे चोट लगने का खतरा कम होता है। अगर आप किसी एक्सरसाइज या खेल से पहले अच्छी तरह शरीर को तैयार नहीं करेंगे तो सीधे स्ट्रेचिंग करने से शरीर पर दबाव पड़ सकता है, जिससे चोट लगने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए, हमेशा शरीर को तैयार करने को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

सही तरीका अपनाएं

स्ट्रेचिंग करते समय सही तरीका अपनाना बहुत जरूरी होता है। गलत तरीके से की गई स्ट्रेचिंग से भी चोट लग सकती है। उदाहरण के लिए, अगर आप जल्दी-जल्दी या जोर-जोर से स्ट्रेचिंग करेंगे तो इससे मांसपेशियां फट सकती हैं या खिंचाव आ सकता है।

इसके अलावा गलत दिशा में खिंचाव लेने से भी चोट लग सकती है। इसलिए, हमेशा धीरे-धीरे और सावधानीपूर्वक स्ट्रेचिंग करें, ताकि किसी तरह का नुकसान न हो।

नियमित अभ्यास का महत्व

रोजाना स्ट्रेचिंग करने से फायदा तभी मिलता है, जब इसे सही तरीके से किया जाए। अगर आप नियमित रूप से स्ट्रेचिंग करते हैं तो इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनमें खिंचाव कम होता है। इसके अलावा नियमित अभ्यास से रक्त संचार भी बेहतर होता है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ती है और चोट लगने की संभावना कम होती है। इसलिए, रोजाना स्ट्रेचिंग करते समय सही तरीका अपनाना जरूरी है।

खास खबर

लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) सांतरागाछी समर स्पेशल की सुविधा

रायपुर। गाड़ी संख्या 01127 /01128 एलटीटी सांतरागाछी समर स्पेशल दिनांक 24 से 5 मई 2026 तक 02 फेरों के लिए चलाई जा रही है। गाड़ी संख्या 01127 दिनांक 24 अप्रैल और 1 मई 2026 को एलटीटी से 00.15 बजे रवाना होकर मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुए 13.35 बजे नागपुर, 15.13 बजे गोंदिया, 17.25 बजे दुर्ग, 18:05 बजे रायपुर, 20:05 बजे बिलासपुर, 23. 25 बजे झारसुगुड़ा होते हुए राउरकेला, टाटानगर, खड़कपुर होते हुए अगले दिन 7:00 बजे सांतरागाछी पहुंचेगी।गाड़ी संख्या 01128 सांतरागाछी- एलटीटी समर स्पेशल दिनांक 26 अप्रैल और 03 मई 2026 को सांतरागाछी से 15:00 बजे रवाना होकर खड़कपुर टाटानगर, चक्रधरपुर, राउरकेला होते हुए 00.05 बजे झारसुगुड़ा, 3:15 बजे बिलासपुर, 5:10 बजे रायपुर, 6:10 बजे दुर्ग, 8:28 बजे गोंदिया, 11:35 बजे नागपुर, हुए इस रूट के स्टेशनों पर होते हुए लोकमान्य तिलक टर्मिनस एलटीटी 00.50 बजे पहुंचेगी।

किसानों को पीएम आशा योजना के तहत अधिक से अधिक करें लाभान्वित : कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत खरीफएवं रबी 2025-26 में दलहन-तिलहन फसलों के पंजीयन एवं उपार्जन के मद्देनजर कृषि, सहकारिता, जिला विपणन अधिकारी, नाफेड के अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत रबी 2025-26 में दलहन-तिलहन फसलों के लिए किसानों का पंजीयन बढ़ाना है। उन्होंने प्रधानमंत्री आशा योजना के तहत किसानों का वास्तविक रकबा पोर्टल में एण्ट्री करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में दलहन एवं तिलहन की खरीदी के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। दलहन-तिलहन की खरीदी के लिए किसानों के पंजीयन की तिथि 30 मार्च थी, जिसे बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दिया गया है। किसानों को पीएम आशा योजना के तहत अधिक से अधिक लाभान्वित करें। 15 समितियों एवं एफपीओ स्वर्ण उपज स्वसहायता समूह ग्राम सुकुलदैहान में दलहन-तिलहन फसलों की खरीदी के संबंध में जानकारी ली।

नारी शक्ति वंदन अधिनियमः समावेशी लोकतंत्र की दिशा में ऐतिहासिक पहल - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर, 12 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी, संवेदनशील और सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम देश की मातृशक्ति को निर्णय प्रक्रिया में प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक दूरगामी और महत्वपूर्ण कदम है, जो 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को वास्तविक रूप देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। ऐसे में राजनीतिक प्रतिनिधित्व में उनकी भागीदारी को संस्थागत स्वरूप देना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि यह पहल लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक प्रतिनिधिक, संतुलित और प्रभावी बनाएगी। रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री साय ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक जनजागरूकता को लेकर मंत्रिगण, जनप्रतिनिधियों एवं संगठन पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति महिलाओं की समान भागीदारी से ही संभव है और इस दिशा में समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि वर्ष 2023 में इस अधिनियम को व्यापक समर्थन मिलना भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता और सामूहिक इच्छाशक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव से महिला आरक्षण लागू होने की दिशा में यह पहल लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार मातृशक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। 'महतारी गौरव वर्ष' और 'महतारी वंदन योजना' जैसी पहलें इस दिशा में किए जा रहे ठोस प्रयासों का प्रमाण हैं, जिनसे लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। मुख्यमंत्री साय ने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम देश की महिलाओं और आने वाली पीढ़ियों के सशक्त भविष्य की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी पहल बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम देश की मातृशक्ति को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने का मजबूत आधार प्रदान करेगा। उन्होंने भाजपा के समस्त पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे इस विषय पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर समाज के हर वर्ग तक इसकी जानकारी पहुंचाएं और अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह केवल एक विधायी पहल नहीं, बल्कि समावेशी और सशक्त भारत के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है, जिसमें सभी की सहभागिता आवश्यक है।

बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, कैबिनेट मंत्री मती लक्ष्मी राजवाड़े, गुरु खुशवंत साहेब, राजेश अग्रवाल, राज्यसभा सांसद मती लक्ष्मी वर्मा, लोकसभा सांसद मती रूपकुमारी चौधरी एवं संतोष पांडेय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश लाठिया, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन एवं अखिलेश सोनी, डॉ. नवीन मार्कंडेय, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा एवं आर कृष्णा दास, विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर मती मीनल चौबे, महिला मोर्चा की अध्यक्ष मती विभा अवस्थी, प्रदेश मीडिया संयोजक हेमंत पाणिग्रही, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक मितुल कोठारी, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. किरण बघेल एवं मती शताब्दी पांडे, जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

समाज की शक्ति संगठन और सेवा में है : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल रविवार को छत्तीसगढ़ डड़सेना कलार सिन्हा समाज द्वारा आरंग विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सेमरिया में आयोजित मंडल स्तरीय वार्षिक सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज की एकजुटता, सेवा भाव और संगठन की शक्ति पर जोर दिया।

सांसद अग्रवाल ने कहा कि अक्सर लोग सोचते हैं कि समाज उनके लिए क्या कर रहा है, लेकिन समाज में विश्वास तभी बढ़ेगा जब समाज स्वयं अपने लोगों के लिए खड़ा होगा। उन्होंने कलार समाज के आराध्य भगवान सहस्त्रबाहु हजार भुजाओं वाले हैं ।

समाज स्वयं को अगर हजार भुजाओं वाला मानता है, तो उसे उतनी ही सक्रियता से कार्य भी करना होगा।उन्होंने समाज के विकास के लिए तीन प्रमुख प्राथमिकताओं पर विशेष बल दिया शिक्षा, विवाह और स्वास्थ्य। उन्होंने कहा कि समाज के गरीब बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था करना, जरूरतमंद बेटियों के विवाह में सहयोग देना और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों के इलाज की जिम्मेदारी उठाना ही सच्ची समाज सेवा है। जिस दिन समाज इन तीन क्षेत्रों में कार्य करना शुरू करेगा, उस दिन हर परिवार से लोग जुड़ेंगे और संगठन स्वतः मजबूत होगा।आर्थिक सहयोग के महत्व को बताते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि यदि प्रत्येक परिवार मात्र 100 रुपये प्रतिमाह का योगदान दे, तो 5000 परिवारों से हर महीने 5 लाख रुपये और साल भर में 60 लाख रुपये का कोष तैयार हो सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि समाज के 5-10 युवाओं को इस कार्य के लिए नियुक्त किया जाए, जो नियमित रूप से घर-घर जाकर सहयोग राशि एकत्र करें। सांसद अग्रवाल ने समाज भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि यह भवन केवल आयोजन स्थल न होकर समाज के विकास का केंद्र बने, जहां महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण, बच्चों के लिए कंप्यूटर शिक्षा एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों का संचालन किया जा सके।उन्होंने कहा कि केवल साल में एक बार सम्मेलन करने से समाज का विकास संभव नहीं है, बल्कि पूरे वर्ष निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है।

जो समाज सेवा और विकास के कार्य करेगा, वही लोगों के दिलों में स्थायी स्थान बनाएगा।कार्यक्रम में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मंत्री अशोक सिन्हा जी, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, युवराज सिन्हा, दशरुराम सिन्हा ,लाला राम सिन्हा अरुण सिन्हा समेत समाज के गणमान्यजन उपस्थित रहे।

आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में आचार्य विद्यासागर के 'चरण कमल' की स्थापना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के मालवीय रोड स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) में आज अपूर्व श्रद्धा और भक्ति का संगम देखने को मिला। वर्तमान संघनायक आचार्य प्रवर समयसागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से, समाधि सम्राट और दिगंबर जैन संत परंपरा के देदीप्यमान नक्षत्र आचार्य विद्यासागर महाराज के पावन दिव्य 'चरण कमल' की विधि-विधान पूर्वक स्थापना की गई।

प्रातः 07:45 बजे,वैशाख कृष्ण दशमी तिथि,निर्वाण संवत 2552, रविवार, मुनिसुव्रतनाथ भगवान का जन्म, तप कल्याणक के अवसर पर आयोजित इस समारोह का शुभारंभ संजय पंडितजी के सानिध्य में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीजी के अभिषेक और शांतिधारा से हुई।

इसके पश्चात आचार्य का विशेष पूजन विधान संपन्न किया गया। भक्तिमय वातावरण के बीच, विशिष्ट मंत्रोच्चार के साथ आचार्यश्री के दिव्य चरण कमलों को मंदिर परिसर में प्रतिष्ठित किया गया।

12 वरिष्ठ नागरिकों के मोतियाबिंद का हुआ सफल ऑपरेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर । संचालक समाज कल्याण संचालनालय छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार भारत सरकार की महत्वपूर्ण एवं महत्त्वकांक्षी अटल वयो अभ्युदय योजना अंतर्गत जिले से फरसाबहार, बगीचा जनपद क्षेत्र एवं जनक वृद्धआश्रम जशपुर से कुल 54 वरिष्ठ नागरिकों का चयन मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु किया गया था।

जिसमें से 06 वरिष्ठ नागरिकों का 22 मार्च को रायपुर में सफलतापूर्वक मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया। इसी प्रकार 01 वरिष्ठ नागरिकों को चश्मा प्रदाय किया गया और 01 वरिष्ठ नागरिक का बी0पी0 एवं शुगर होने के कारण से ऑपरेशन नहीं किया गया। जनपद अंतर्गत 25 मार्च 2026 को 13 हितग्राहियों को जन प्रतिनिधियों द्वारा फूल माला एवं शाल से स्वागत कर मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु एआईआईएमएस रायपुर रवाना किया गया। जिसमें से देवरी बाई 72 वर्ष, राजपति 65 वर्ष, मालती देवी 66 वर्ष मुनेश्वरी 66 वर्ष लक्ष्मनिया बाई 71 वर्ष खुदुराम 65 वर्ष पेटरा 71 वर्ष कुवर 66 वर्ष का सफलता पूर्वक ऑपरेशन किया गया एवं कौशल्या बाई 71 वर्ष, कपूर राम 74 वर्ष एवं चरण राम 65 वर्ष को बी0पी0 एवं शुगर होने के करण ऑपरेशन नहीं किया गया।

बच्चों का सर्वांगीण विकास सर्वोच्च प्राथमिकता - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने जिला पंचायत सभाकक्ष में शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के लिए शिक्षा विभाग के प्राचार्यों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी अधिकारी एवं शिक्षक समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने जिले के सभी विकासखंड मुख्यालयों में शीघ्र ही निःशुल्क कोचिंग सेंटर प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि उपलब्ध शासकीय भवनों एवं हॉल का उपयोग कर शीघ्र निःशुल्क कोचिंग की शुरूआत सुनिश्चित की जाए। इसके लिए आवश्यक फर्नीचर, ब्लैकबोर्ड, पुस्तके एवं अन्य संसाधनों की व्यवस्था करने तथा योग्य शिक्षकों की सेवाएं निर्धारित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर कार्यरत अनुभवी शिक्षकों को जोड़ते हुए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यमों से पढ़ाई संचालित की जाए।

कलेक्टर ने कहा कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान स्कूली विद्यार्थियों के लिए समर कैंप आयोजित किए जाएं। समर कैंप में पढ़ाई के साथ-साथ योग, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों को शामिल करने के लिए कहा। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन, चैट जीपीटी एआई का उपयोग, बैंकिंग प्रक्रिया, पुलिस स्टेशन, अस्पताल, पोस्ट ऑफिस एवं अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों की जानकारी देने हेतु शैक्षणिक भ्रमण भी कराया जाए, ताकि उनका व्यावहारिक ज्ञान बढ़ सके। उन्होंने विद्यालयों से जुड़े पूर्व विद्यार्थियों को भी जोडने कहा। जो लोग विद्यालय में पढ़कर जीवन में सफल होकर आगे बढ़े हैं, उन्हें अपने विद्यालय के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करें। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए शिक्षा क्षेत्र में नवाचार एवं गुणवत्ता सुधार के लिए सतत प्रयास करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों एवं प्राचार्यों की पहचान कर उन्हें नियमित रूप से प्रोत्साहित करें। प्रत्येक माह बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने की व्यवस्था करें, जिससे अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा मिले।

उन्होंने विद्यालयों के परिणाम सुधार के लिए सतत मॉनिटरिंग, डेटा विश्लेषण एवं समीक्षा बैठके आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालय स्तर पर छोटे-छोटे समूह बनाकर चर्चा एवं फीडबैक की व्यवस्था करें, जिससे समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुरूचि सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल, डिप्टी कलेक्टर विश्वास कुमार सहित विकासखंड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य उपस्थित थे।

किसानों के लिए मधुमक्खी पालन कम लागत में ज्यादा मुनाफा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। राष्ट्रीय बागवानी मिशन एवं राज्य योजना अंतर्गत मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने हेतु जशपुर जिले के कुल 20 कृषकों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना तथा फसलों के परागण के माध्यम से उत्पादन बढ़ाना है।

योजना के तहत लाभार्थियों को मधुमक्खी पेटी बी बॉक्स मय मधुमक्खी कॉलोनी हेतु 1600, मधुमक्खी छत्ता हेतु 800 मधु निष्कासन यंत्र हेतु 8000 अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। मधुमक्खी पालन के लिए अधिक भूमि की आवश्यकता नहीं होती। किसान इसे अपनी खेती के साथ-साथ आसानी से अपना सकते हैं। मधुमक्खी पालन अंतर्गत सरकार द्वारा दी जा रही आर्थिक सहायता से क्षेत्रों को मजबूत बना रही हैं।

मधुमक्खियां केवल शहद उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कृषि उत्पादन बढ़ाने में भी इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

मधुमक्खियों द्वारा किए गए परागण से फल, सब्ज़ी और तिलहनी फसलों की पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। सरसों, लीची, आम, अमरूद, सूरजमुखी, धनिया, सब्ज़ी फसलें और जंगली फूल मधुमक्खियों के लिए उत्तम पुष्प स्रोत हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि मधुमक्खी पालन अपनाने से टिकाऊ और लाभकारी कृषि को बढ़ावा मिलता है।

मधुमक्खी पालन ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोज़गार का अच्छा माध्यम बन रहा है। प्रशिक्षण लेकर कोई भी व्यक्ति इस कार्य को आसानी से शुरू कर सकता है। शहद, मोम, रॉयल जेली जैसे उत्पादों की बाजार में अच्छी मांग है। सरकार द्वारा आर्थिक सहायता एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

मधुमक्खियां जैव विविधता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। इनके बिना प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से मधुमक्खियों की संख्या घट रही है, जो चिंता का विषय है। ऐसे में मधुमक्खी-अनुकूल खेती को अपनाने की आवश्यकता है। कम निवेश में अधिक लाभ देने वाला मधुमक्खी पालन आज किसानों की पहली पसंद बनता जा रहा है। एक मधुमक्खी बॉक्स से साल में कई बार शहद उत्पादन किया जा सकता है। सही प्रबंधन से अच्छी आमदनी संभव है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि मौसम, पुष्प स्रोत और वैज्ञानिक तकनीकों का ध्यान रखकर मधुमक्खी पालन किया जाए, ताकि उत्पादन और गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।

तेंदूपत्ता संग्रहकों के लिए खुशखबरीः भुगतान में पारदर्शिता और समयबद्ध व्यवस्था लागू

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। शासन की नवीन तेंदूपत्ता नीति के तहत तेंदूपत्ता संग्रहकों को अब संग्रहण पारिश्रमिक का भुगतान पूरी पारदर्शिता के साथ सीधे उनके बैंक खातों में किया जा रहा है। इस पहल से संग्रहकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है।वर्ष 2024 में 27,448 संग्रहक परिवारों को 26.75 करोड़ रुपये तथा वर्ष 2025 में 10,925 संग्रहकों को 6.70 करोड़ रुपये की राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई।

वर्तमान स्थिति में भुगतान को लेकर किसी भी संग्राहक की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।वर्ष 2026 में अब तक 53,608 संग्रहक परिवारों में से 51,818 परिवारों के बैंक खाते खुलवाए जा चुके हैं, जबकि शेष संग्रहकों के खाते खोलने की प्रक्रिया तेजी से जारी है। इसके साथ ही संग्रहकों के मोबाइल नंबर ऑनलाइन सॉफ्टवेयर से जोड़े जा रहे हैं, ताकि भुगतान की सूचना तुरंत मिल सके।

इस वर्ष 15 दिनों के भीतर पारिश्रमिक राशि सीधे खातों में जमा करने की तैयारी की जा रही है।समिति स्तर पर तेंदूपत्ता संग्रहण को बढ़ावा देने के लिए प्रचार-प्रसार, दीवार लेखन और बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। संग्रहकों को उच्च गुणवत्ता के पत्तों का संग्रहण करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे उन्हें अधिक दर पर भुगतान मिल सके और उनकी आय में वृद्धि हो।इसके अलावा, शासन द्वारा संग्रहकों के लिए बीमा एवं शिक्षा से जुड़ी कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें राजमोहिनी देवी तेंदूपत्ता संग्रहक सामाजिक सुरक्षा योजना तथा बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं से संग्रहक परिवारों को आर्थिक सहायता के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा में भी सहयोग मिल रहा है।

फड़/ग्राम स्तर पर उपलब्ध वाहनों (ट्रैक्टर, पिकअप आदि) से तेंदूपत्ता परिवहन की व्यवस्था की जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों को अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। तेंदूपत्ता सीजन 2026 के दौरान अच्छी गुणवत्ता के पत्तों की खरीदी जारी रहेगी, जिससे अधिक से अधिक संग्रहकों को लाभ मिल सके।प्रशासन ने सभी संग्रहकों से अपील की है कि वे अपने बैंक खातों का e-KYC अवश्य कराएं, ताकि भुगतान में किसी भी प्रकार की बाधा न आए और वे इस योजना का पूरा लाभ उठा सकें।

खास खबर

रायगढ़ राइस मिल में वेल्डिंग के दौरान हादसा

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक राइस मिल में काम के दौरान अचानक आग लगने से दो श्रमिक झुलस गए। गंभीर रूप से घायल एक श्रमिक को बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। घटना जूटमिल थाना क्षेत्र की है। उत्तर प्रदेश के बरेली निवासी मोहम्मद तासिम (28) पिछले 5-6 वर्षों से अपने परिवार और ठेकेदार मोहम्मद शाहीद के साथ रायगढ़ की सावित्री राइस मिल में काम कर रहा था। रविवार दोपहर मिल की मशीन में साइक्लोन जाम होने पर वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। इसी दौरान नीचे जमा सूखे भूसे में अचानक आग लग गई, जिससे मोहम्मद तासिम और मोहम्मद शाहीद उसकी चपेट में आ गए। हादसे में मोहम्मद तासिम गंभीर रूप से 90% झुलस गया है, जिसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं मोहम्मद शाहीद को मामूली चोटें आईं। घटना की सूचना जूटमिल पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

किराना दुकान में चोरी करने वाले दो आरोपी चंद घंटों में गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। थाना पामगढ़ पुलिस ने किराना दुकान में चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए महज कुछ ही घंटों में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी हेमचंद रात्रे ने 12 अप्रैल 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि 11 अप्रैल की देर रात जब वह लघुशंका के लिए उठा, तब उसे अपनी दुकान की ओर से आवाज सुनाई दी। मौके पर जाकर देखा तो दुकान का दरवाजा खुला था और अंदर से गांव के ही कुछ युवक भागते हुए नजर आए। जांच करने पर गल्ले में रखे 4000 रुपये गायब मिले। रिपोर्ट दर्ज होते ही पामगढ़ पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की और संदेह के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। जल्द ही पुलिस ने विकास रात्रे (21 वर्ष) और अनुराग जोगी (19 वर्ष), दोनों निवासी बोरसी, को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2), 3(5) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सावन सारथी, उप निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू सहित पुलिस टीम का सराहनीय योगदान रहा।

रायपुर में पकड़ाया 1 करोड़ किलो में बिकने वाला गांजा

हाईप्रोफाइल कस्टमर देते थे ऑर्डर, दिल्ली से कुरियर के जरिए पहुंचता था 'ओशिएन ग्रोथ'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में 1 करोड़ प्रति किलो बिकने वाला गांजा पकड़ाया है। हाईप्रोफाइल कस्टमर की डिमांड पर दिल्ली से कुरियर के जरिए यहां 'ओशिएन ग्रोथ' गांजे की सप्लाई हो रही थी। पुलिस को शक होने पर रेड मारकर कार्रवाई की। आरोपी दिल्ली का रहने वाला है, जो शंकर नगर में किराए के मकान से रह रहा था, यहां गांजा मंगवाकर बेचता था।

मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। आरोपी रितिक पसरिचा (26) कटोरा तालाब में एक ग्राहक को जैसे ही गांजा देने पहुंचा पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसके कब्जे से 114 ग्राम ओजी गांजा मिला। ओशिएन ग्रोथ गांजे की मार्केट वैल्यू करोड़ों में है, यह समुद्री इलाके में पानी में उगता है।

ओशियन ग्रोथ गांजा क्या है?

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, गांजा ओजी ग्रेड (ओशियन ग्रोथ) का है, यह हाइड्रोपोनिक है और इसे जमीन पर नहीं सिर्फ पानी में उगाया जा सकता है। इसमें मिट्टी का इस्तेमाल नहीं किया जाता। पानी में पोषक तत्वों के साथ यह उगता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 1 करोड़ रुपए प्रति किलो तक है।

जानकारी के मुताबिक, रितिक पसरिचा (26) दिल्ली का रहने वाला है, वह बार सिंगर भी है। रायपुर में वह म्यूजिक एलबम बनाने के बहाने शंकर नगर स्थित अशोका हाईट्स में किराए के मकान में रह रहा था। दिल्ली से कुरियर के जरिए यहां गांजे की डिलवरी लेता था। सप्लायर कौन है, पुलिस इसकी जांच कर रही है।

रितिक शनिवार (11 अप्रैल) को कटोरा तालाब इलाके में ग्राहक को गांजा देने पहुंचा था। इसकी जानकारी पुलिस को मिली, तो उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। उसके बैग की तलाशी में ओजी गांजा समेत, मोबाइल और सामान्य गांजा भी मिला है। सभी की कीमत 3.62 लाख है।

लंबे समय से था एक्टिव

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि, पिछले कई दिनों से वह रायपुर में गांजा बेच रहा था। जांच अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी लंबे समय से गांजा तस्करी के नेटवर्क से जुड़ा है। उसके साथियों और मददगारों की भी तलाश की जा रही है।

रायपुर में पहली बार पकड़ाया ओजी गांजा

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, रायपुर में ओजी गांजा पहली बार पकड़ाया है। इससे पहले इसकी जब्ती दुर्ग जिले में हुई थी। प्रदेश में ओजी गांजा सप्लाई करने वाले तस्करों पर यह दूसरी कार्रवाई है। इससे जुड़े नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है।

शराब पीकर गाड़ी चलाते 155 लोग पकड़ाए

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर में सड़क हादसों की संख्या में कमी आए। वाहन ड्राइवर सुरक्षित घर पहुंचे, इसलिए कमिश्नरेट के अधिकारी शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। लेट नाइट चेकिंग अभियान चलाकर पुलिसकर्मियों ने 155 वाहन ड्राइवरों को नशे की हालत में गाड़ी चलाते पकड़ा है। इन वाहनों को सीज किया गया है।

वाहन चालक कोर्ट में जुर्माना जमा कर पुलिसकर्मियों से अपनी गाड़ी वापस लेंगे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जो वाहन चालक शराब के नशे में मिले है, उनके लाइसेंस को सस्पेंड करने के लिए परिवहन अधिकारियों को पत्र लिखा जाएगा। यातायात और प्रोटोकॉल उपायुक्त विकास कुमार के नेतृत्व में यह अभियान शहर के 9 अलग-अलग स्थानों पर चलाया गया। रात 11 बजे से 1 बजे के बीच लगाए गए चेकिंग पॉइंट्स पर पुलिसकर्मियों ने ब्रीथ एनालाइजर की मदद से ड्राइवरों की जांच की। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़े गए।

पुलिस के मुताबिक, साल 2026 में अब तक मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 (शराब पीकर वाहन चलाना) के तहत 2133 से ज्यादा मामले दर्ज किए जा चुके हैं। यह आंकड़ा रायपुर जिले के इतिहास में किसी भी पूरे साल की कार्रवाई से अधिक बताया जा रहा है। जिससे यह साफहै कि पुलिस इस मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

अधिकारियों का कहना है कि, इस तरह के अभियान का उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं है, बल्कि सड़क हादसों को रोकना और लोगों की जान बचाना है। शराब के नशे में वाहन चलाना न केवल चालक के लिए बल्कि अन्य लोगों के लिए भी खतरनाक साबित होता है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि, वे शराब पीकर वाहन चलाने से बचें। यदि किसी ने शराब का सेवन किया है, तो वह कैब, ऑटो या किसी अन्य सुरक्षित साधन का इस्तेमाल करें। इसके अलावा दोस्तों या परिवार के किसी जिम्मेदार व्यक्ति की मदद लेकर ही घर पहुंचे। यातायात पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस तरह के अचानक चलाए जाने वाले अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

बिलासपुर में गैस-सिलेंडर का पाइप फटने से लगी आग, 3 महिलाएं समेत 4 लोग झुलसे

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के जूना बिलासपुर के कतियापारा इलाके में रविवार को एक घर में गैस सिलेंडर के पाइप फटने से आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान किचन में काम कर रहीं 3 महिलाएं झुलस गई हैं। उनके हाथ और चेहरे जल गए हैं। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, अशोक निर्मलकर के घर किचन में खाना बनाते समय अचानक गैस रिसाव शुरू हुआ। देखते ही देखते आग फैल गई। घटना के समय रसोई में मौजूद पूजा निर्मलकर, सरोजिनी निर्मलकर और ममता निर्मलकर आग की चपेट में आकर झुलस गईं। वहीं, आग बुझाने के दौरान अशोक निर्मलकर भी झुलस गए, उनके चेहरे पर चोट आई है।

स्थानीय लोगों ने बुझाई आग

आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्काल मदद करते हुए आग पर काबू पाया और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित किया और सिलेंडर को सुरक्षित बाहर निकाला।

गैस पाइप जलने से हुआ हादसा, कोई जनहानि नहीं

शुरुआती जांच में सामने आया कि सिलेंडर का पाइप फटने और जलने से गैस लीक हुई, जिससे आग भड़की। हादसे में चार लोग झुलसे, लेकिन सभी को शुरुआती इलाज के बाद घर भेज दिया गया। किसी को भी अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मां के प्रेमी ने बेटी से की छेड़छाड, विरोध करने पर मां ने ही पीटा, एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में युवती से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला के प्रेमी ने उसकी 23 वर्षीय बेटी के साथ गलत नीयत से छेड़छाड़ की कोशिश की है। पीड़िता ने जब इसका विरोध किया, तो उसकी मां ने ही उसके साथ मारपीट कर दी। परेशान युवती ने महिला थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़िता ने बताया कि, पिता की मौत के बाद वह अपनी मां के साथ रहती है। इस दौरान सारंगढ़ जिले का रहने वाला राधेश्याम साहू अक्सर उनके घर आता-जाता था। उसका प्रेम संबंध उसकी मां से था।

युवती के मुताबिक, नवंबर 2025 से आरोपी उसे घर में अकेला पाकर छेड़छाड़ करता था। उसने इसकी शिकायत अपनी मां से की, लेकिन मां ने बात को नजरअंदाज कर दिया। 2 दिसंबर को भी आरोपी उसके कमरे में घुसकर गलत हरकत करने लगा। इसके बाद भी जब युवती ने मां को बताया, तो उल्टा मां ने उसे ही डांट दिया।

लगातार हो रही हरकतों से परेशान युवती ने 26 दिसंबर को थाना में शिकायत करने की बात कही। इस पर उसकी मां ने उसे घर से निकाल दिया। 27 फरवरी को जब युवती वापस घर लौटी, तो मां ने उसे आरोपी के खिलाफ कुछ भी न बोलने की चेतावनी दी। विरोध करने पर मां ने गाली-गलौज कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

घटना से परेशान होकर युवती ने महिला थाने में मां और उसके प्रेमी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीएसपी सुशांतो बनर्जी ने बताया कि शिकायत के आधार पर अपराध कायम कर लिया गया है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

डैम में नहाने गया प्लांट कर्मचारी डूबा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बनखेता स्टॉप डैम में नहाने गए एक प्लांट कर्मचारी की डूबने से मौत हो गई। पुलिस और गोताखोरों की टीम ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद शव बरामद किया है। घटना घरघोड़ा थाना क्षेत्र की है। दरअसल, ग्राम भेंड्रा निवासी मुकेश महंत (35) सनस्टील प्लांट के टेक्नो गार्ड विभाग में कार्यरत था। रविवार को वह अपने 3-4 साथियों के साथ बनखेता स्टॉप डैम नहाने के लिए गया था। नहाने के दौरान अचानक वह गहरे पानी की ओर चला गया और डूब गया।

काफी देर तक मुकेश के पानी से बाहर नहीं आने पर उसके साथियों ने आसपास के लोगों को जानकारी दी। घटना की सूचना घरघोड़ा पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस गोताखोरों की टीम के साथ मौके पर पहुंची और तलाश शुरू की गई। करीब एक घंटे की खोजबीन के बाद मुकेश का शव डेम के अंदर से बरामद किया गया।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस ने शव का पंचनामा कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला सेनानी अधिकारी ब्लास्यिुज कुजूर ने बताया कि युवक गहरे पानी में डूबा था और उसी क्षेत्र के आसपास उसका शव मिला।

ट्रेन के एसी कोच में शराब परोस रहा था अटेंडेंट

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग में निजामुद्दीन-दुर्ग हमसफर एक्सप्रेस (22868) ट्रेन के एसी कोच अटेंडेंट को अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अटेंडेंट यात्रियों को शराब परोसने और अपने साथ बड़ी मात्रा में शराब ले जाने के आरोप में पकड़ा गया। यह कार्रवाई आरपीएफ और आबकारी विभाग ने की है।

जानकारी के अनुसार, आरपीएफ दुर्ग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हमसफर एक्सप्रेस में कोच अटेंडेंट अवैध रूप से शराब ले जा रहा है। आरपीएफ पोस्ट दुर्ग के प्रभारी ने तुरंत आबकारी विभाग से संपर्क किया और संयुक्त टीम बनाई। इसके बाद ट्रेन के दुर्ग पहुंचने का इंतजार किया गया।

दुर्ग रेलवे स्टेशन पर हुई कार्रवाई

जैसे ही ट्रेन दुर्ग स्टेशन पहुंची, टीम ने कोच नंबर बी-7 में तैनात एसी कोच अटेंडेंट रीमन दास की पहचान कर उसके सामान की जांच की। तलाशी के दौरान उसके बैग से छुपाकर रखी गई विदेशी शराब बरामद हुई। जब उससे इस शराब के संबंध में दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई वैध कागज पेश नहीं कर सका।

तलाशी में मिले अलग अलग ब्रांड के शराब

जब्त शराब में 3 फुल बोतल व्हिस्की, 1 फुल बोतल वोडका, 2 क्वार्टर व्हिस्की और 18 कैन बियर शामिल हैं। इस तरह कुल मिलाकर 12.236 बल्क लीटर शराब बरामद की गई। जिसकी कीमत करीब 4,140 रुपए बताई गई है। शराब को जब्त कर लिया गया है और आरोपी को हिरासत में ले लिया गया।

इस मामले में आबकारी विभाग ने छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी को 13 अप्रैल 2026 को अदालत में पेश किया जाएगा। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह शराब कहां से लाया था और क्या इसमें कोई और लोग भी शामिल हैं।

दुर्ग आरपीएफ थाना प्रभारी संजीव सिन्हा ने बताया कि, ट्रेनों में अवैध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी ताकि ट्रेनों में अवैध सामान की तस्करी को रोका जा सके और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जंगली सुअर का मांस अकेले खाने पर पीट-पीटकर हत्या, कोर्ट ने 2 आरोपियों को सुनाई उम्रकैद की सजा

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जंगली सुअर के मांस को लेकर हुए विवाद ने एक व्यक्ति की जान ले ली। 'मांस अकेले खा जाने' की बात पर दो लोगों ने मिलकर एक ग्रामीण की डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। अब कोर्ट ने इस मामले में दोनों आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

मामला धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम सकरलिया का है। साल 2019 में गांव के रत्थूराम राठिया (60) और सीताराम राठिया (35) ने श्यामलाल राठिया के साथ विवाद किया। आरोप था कि श्यामलाल ने जंगली सुअर का मांस अकेले खा लिया।

विवाद बढ़ने पर दोनों आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए श्यामलाल को जान से मारने की धमकी दी और डंडों से उसकी जमकर पिटाई कर दी। हमले में उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं।

घटना के बाद घायल श्यामलाल को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद मृतक के पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

कोर्ट का फैसला, उम्रकैद और जुर्माना

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 और 34 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। अपर सत्र न्यायालय घरघोड़ा के न्यायाधीश अभिषेक शर्मा ने सुनवाई के बाद दोनों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

आरोपियों पर जुर्माना भी

कोर्ट ने दोनों आरोपियों पर 1-1 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। मामले में अपर लोक अभियोजक राजेश सिंह ठाकुर ने पैरवी की।

कार्यालय राजस्व
निरीक्षक रायपुर - 10
// आम सूचना //

जारी दिनांक 08/04/2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संजय कुमार पाण्डेय पिता स्व. विध्याचल पाण्डेय निवासी देवपुरी छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम देवपुरी पटवारी हल्का नंबर 73 राजस्व निरीक्षक मण्डल-10 रायपुर में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 59/18 रकबा 0.0140 हे. का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, रायपुर के आदेश दिनांक 07/04/2028 के परिपालन में दिनांक 17/04/2026 को समय 12 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो यह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नम्बर 23 के देवपुरी में स्थित कार्यालय में मय दस्तावेज सहित स्वंय अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं है।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर - 10

नाबालिग से पांच लोगों ने किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बीजापुर। जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र में बीती रात एक नाबालिग के साथ पांच लोगों द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की रिपोर्ट के बाद सभी पांचों आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर कार्यवाही कर रही है । पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 11.04.2026 के रात्रि थाना भैरमगढ़ में एक नाबालिग बालिका को उसके पूर्व से परिचित व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर सुनसान जगह पर ले जाकर दुष्कर्म करने की घटना पर थाना भैरमगढ़ में BNS एवं पॉक्सो एक्ट की सुसंगत धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया है। उपरोक्त घटना में पीड़ित बालिका के पूर्व से परिचित 04 अन्य व्यक्तियों की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई।

प्रमुख खबरें

गर्ल्स कॉलेज में घुसा 10 फीट लंबा अजगर, रेस्क्यू टीम ने पकड़ा

कोरबा। रामपुर स्थित गर्ल्स आईटीआई कॉलेज परिसर में उस समय हड़कंप मच गया, जब बीती रात करीब 10 फीट लंबा अजगर दिखाई दिया। अजगर को देखते ही छात्राओं और कॉलेज स्टाफ में दहशत फैल गई, जिसके बाद तुरंत रेस्क्यू टीम को सूचना दी गई। रेस्क्यू टीम के सदस्य उमेश यादव और सौम्या पाण्डेय मौके पर पहुंचे। अजगर झाड़ियों के बीच छिपा हुआ था। टीम ने पूरी सावधानी के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया। पकड़े गए अजगर को बाद में जंगल में छोड़ दिया गया। दरअसल, छात्राएं रात के समय कॉलेज परिसर में टहल रही थीं, तभी उनकी नजर इस विशालकाय अजगर पर पड़ी। इसके बाद कॉलेज में सतर्कता बढ़ा दी गई और सभी को सुरक्षित स्थान पर रहने के निर्देश दिए गए। रेस्क्यू टीम ने बताया कि गर्मी के मौसम में सांप अक्सर पानी और ठंडी जगह की तलाश में रिहायशी इलाकों की ओर रुख कर लेते हैं। ऐसे में लोगों को घबराने के बजाय तुरंत वन विभाग या रेस्क्यू टीम को सूचना देनी चाहिए।

बलरामपुर में जंगल में आग, वन संपदा को भारी नुकसान का खतरा

बलरामपुर। सरगुजा संभाग के बलरामपुर जिले से बड़ी खबर सामने आई है, जहां जंगल में लगी भीषण आग से वन संपदा को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। वाड्रफनगर-बनारस स्टेट हाईवे के पास अजगरा नाला क्षेत्र में अचानक आग भड़क उठी, जिसने देखते ही देखते जंगल के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। इस आग के कारण न सिर्फ पेड़-पौधों को नुकसान हो रहा है, बल्कि वन्य जीवों के लिए भी खतरा बढ़ गया है। आग तेजी से फैल रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि यह आग वन विभाग कार्यालय से महज करीब 500 मीटर की दूरी पर लगी है, लेकिन मौके पर वन विभाग के कर्मचारी नजर नहीं आए, जिससे लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

शहीद वन कर्मियों के बलिदान को किया नमन

बलरामपुर-रामानुजगंज में वन मंत्री कश्यप ने 'वन शहीद स्मारक' का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन, पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने वनमंडलाधिकारी कार्यालय परिसर में वन शहीद स्मारक का लोकार्पण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

मंत्री रामविचार नेताम ने आयोजित कार्यक्रम में वन शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि परिसर में निर्मित शहीद स्मारक उन वन कर्मियों के अदम्य साहस और बलिदान का प्रतीक है, जिन्होंने अपने कर्तव्य पालन के दौरान नक्सलियों के हाथों अपने प्राण न्यौछावर किए।

उन्होंने कहा कि दूरस्थ एवं विषम परिस्थितियों में वनों और पर्यावरण की सुरक्षा करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है। वन कर्मी विपरीत परिस्थितियों में भी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए वन संपदा और वन्य प्राणियों की

रक्षा में जुटे रहते हैं। उन्होंने बताया कि अवैध कटाई, वनाग्नि, अवैध कब्जा और अवैध शिकार जैसी गतिविधियों से वनों को लगातार खतरा बना हुआ है, ऐसे में वन विभाग के कर्मचारियों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने वन शहीदों के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनके द्वारा दिया गया सर्वोच्च बलिदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

उन्होंने कहा कि वनों और पर्यावरण के कारण ही मानव जीवन संभव है, इसलिए इनकी रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जंगलों पर आश्रित हैं, इसलिए वनों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि वनाग्नि की घटनाओं से अनेक वनस्पतियां, औषधीय पौधे, जड़ी-बूटियां एवं वन्य प्राणी नष्ट हो रहे हैं, जो अत्यंत चिंता का विषय है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे वनों की रक्षा के लिए आगे आएं और अवैध कटाई, अवैध कब्जा एवं वनाग्नि जैसी गतिविधियों को रोकने में सहयोग करें।

उन्होंने बढ़ती गर्मी के मौसम में वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए सतर्कता बरतने तथा अमानवीय कृत्यों पर सख्ती से कार्रवाई करने की बात कही। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं समृद्ध वन संपदा का संरक्षण करे।

इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष धीरज सिंह देव, नगर पालिका अध्यक्ष लोधी राम एक्का, उपाध्यक्ष दिलीप सोनी, उपाध्यक्ष बबली देवी अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर राजेंद्र कटारा, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर, वनमंडलाधिकारी आलोक बाजपेयी एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला आरक्षण विधेयक पर 'मॉक पार्लियामेंट' का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत, माय भारत छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर 'बजट क्वेस्ट 2026' के अंतर्गत महिला आरक्षण विधेयक पर एक 'मॉक पार्लियामेंट' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 40 युवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो राष्ट्रीय विकास में महिलाओं की भूमिका पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ आए।

मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जिन क्षेत्रों और सेक्टरों का नेतृत्व महिलाएं करती हैं, उनका विकास दोगुनी गति से होता है; उन्होंने निर्णय लेने की प्रक्रिया और शासन-प्रशासन में महिलाओं की भागीदारी के अत्यंत महत्व को रेखांकित किया।राजीव गांधी भूजल राष्ट्रीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक रंजन कुमार ने सभी प्रतिभागियों को मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रम के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देकर सभी का स्वागत किया।

माय भारत छत्तीसगढ़ के राज्य निदेशक, अर्पित तिवारी ने 'बजट क्वेस्ट 2026' की रूपरेखा प्रस्तुत की, और इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार युवाओं के नेतृत्व वाली गतिविधियां राष्ट्रीय स्तर पर नीति-निर्माण और शासन-प्रशासन में अधिकाधिक रूप से परिलक्षित हो रही हैं।

मॉक पार्लियामेंट की कार्यवाही के दौरान, महिला एवं बाल विकास मंत्री की भूमिका निभाते हुए एक युवा प्रतिनिधि ने महिला आरक्षण विधेयक प्रस्तुत किया।

40 प्रतिनिधियों ने इस संसदीय कार्यवाही में हिस्सा लिया, संशोधनों के प्रस्ताव रखे, और विधेयक के कार्यान्वयन तंत्रों पर विचार-विमर्श किया। इस प्रक्रिया के माध्यम से उन्होंने भारत की विधायी प्रक्रियाओं की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की, और साथ ही निर्वाचित पदों पर महिलाओं के प्रतिनिधित्व का पुरजोर समर्थन किया।

कला हमेशा अभिव्यक्ति, प्रतिबिंब और परिवर्तन का शक्तिशाली माध्यम रही है : गुरु खुशवंत साहेब

■ 'गौरा' -राष्ट्रीय दृश्य कला प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गौरा में आपका स्वागत है। यह प्रदर्शनी आने वाले सभी लोगों के लिए खुशी, प्रेरणा और चिंतन का स्त्रोत बने। छत्तीसगढ़ प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप (सीजीपीएजी) द्वारा आयोजित तीसरी दृश्य कला प्रदर्शनी 'गौरा' का आयोजन 10 अप्रैल से 12 अप्रैल 2026 तक महंत घासीदास संग्रहालय, राजभवन के निकट स्थित आर्ट गैलरी, रायपुर में किया गया। यह प्रतिष्ठित प्रदर्शनी देशभर के 100 प्रसिद्ध कलाकारों की कलाकृतियों को एक मंच पर प्रस्तुत करेगी। इस अवसर पर चार विशिष्ट अतिथि कलाकारों की सहभागिता भी रहेगी।

'गौरा' प्रदर्शनी समकालीन भारतीय कला की विविधता, सृजनात्मकता और अभिव्यक्ति का उत्सव है। यह कला प्रेमियों, विद्यार्थियों और आम दर्शकों को देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों की कृतियों को देखने और समझने का अनूठा अवसर प्रदान करेगी।

श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि मुझे बेहद खुशी और गर्व है कि मैं छत्तीसगढ़ की जीवंत और विविध कलात्मक भावना के उत्सव, सीजीपीएजी की उद्घाटन प्रदर्शनी 'गौरा' में आपका स्वागत करता हूँ। यह प्रदर्शनी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि इसमें हमारे क्षेत्र के 100 प्रगतिशील कलाकार एक साथ आ रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक ने हमारे सांस्कृतिक परिदृश्य के कैनवास पर अपनी अनूठी दृष्टि और रचनात्मकता का योगदान दिया है।

डॉ. ध्रुव तिवारी -क्यूरेटर, छत्तीसगढ़ प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप ने कहा कि कला हमेशा से अभिव्यक्ति, प्रतिबिंब और परिवर्तन का एक शक्तिशाली माध्यम रही है। गौरा के माध्यम से हमारा उद्देश्य छत्तीसगढ़ में मौजूद कलात्मक प्रतिभा के समृद्ध ताने-बाने को प्रदर्शित करना है, जो हमारे कलाकारों को अपनी

कहानियों, सपनों और दृष्टिकोणों को दुनिया के साथ साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह प्रदर्शनी केवल कलाकृतियों का प्रदर्शन नहीं है। यह एक संवाद है, कलाकार और दर्शक के बीच एक वार्तालाप है, जो आपको व्यक्तिगत स्तर पर कलाकृतियों का पता लगाने, व्याख्या करने और उनसे जुड़ने के लिए आमंत्रित करता है।

घासीदास म्युजियम कला वीथिका रायपुर की संगठनात्मक संरचना में डॉ. ध्रुव तिवारी - क्यूरेटर, जितेन साहू को-ऑर्डिनेटर, शांति तिर्की एसोसिएट को-ऑर्डिनेटर तथा अनिल खोबरागड़े, कोषाध्यक्ष के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यहाँ प्रस्तुत कृतियाँ हमारे कलाकारों के लचीलेपन, नवाचार और जुनून का प्रमाण हैं। वे हमारे समय के सार को पकड़ते हैं, उन विषयों को संबोधित करते हैं जो हमारी सामूहिक चेतना-पहचान, विरासत, पर्यावरण और मानवीय अनुभव के साथ प्रतिध्वनित होते हैं। प्रत्येक कृति अपने निर्माता की आत्मा में एक खिड़की है, जो शब्दों से परे अंतर्दृष्टि और भावनाएँ दिखाती है।

डॉ. ध्रुव तिवारी ने बताया कि जब आप 'गौरा' में आगे बढ़ते हैं, तो मैं आपको कलाकृतियों से न केवल दृष्टिगत रूप से बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। उन्हें आपसे बात करने दें, आपको चुनौती दें और आपको प्रेरित करें। कला में परिवर्तन लाने, विचार को उकसाने और समझ को बढ़ावा देने की शक्ति है। मुझे उम्मीद है कि यह प्रदर्शनी आप में से प्रत्येक के भीतर कला के लिए जिज्ञासा और प्रशंसा की चिंगारी को प्रज्वलित करेगी, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत और हमें परिभाषित करने वाली रचनात्मक भावना से गहरा संबंध बनाएगी।

डॉ. तिवारी ने कहा कि वे उन सभी कलाकारों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हूँ जिन्होंने इस प्रदर्शनी में अपने कामों का योगदान दिया है, साथ ही आयोजकों, प्रायोजकों और समर्थकों के प्रति भी जिन्होंने 'गौरा' को संभव बनाया है। ।

सक्रिय कला मंच है छग प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप

छत्तीसगढ़ प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप एक सक्रिय कला मंच है, जो कलाकारों को एकजुट कर समकालीन कला को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रहा है। सीजीपीएजी की प्रथम प्रदर्शनी 'सोहाई' का आयोजन 12 से 14 अप्रैल 2025 तक महंत घासीदास संग्रहालय, रायपुर में आयोजित की गई थी।

अपने जन्मदिन पर उद्योग मंत्री देवांगन ने फुटपाथ व्यापारियों को दी 'आनंद बाजार वेंडिंग जोन' की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर कोरबा के लघु व्यवसायियों को एक बड़ा तोहफा देते हुये उन्हें आनंद बाजार वेंडिंग जोन की सौगात प्रदान की है। अब सड़क के किनारे फुटपाथ आदि पर व्यवसाय करने वाले इन लघु व्यवसायियों को सुविधापूर्ण स्थाई दुकानें मिल चुकी हैं, अब उन्हें बार-बार दुकान हटा दिये जाने का डर भी नहीं सतायेगा तथा निश्चिंत हो कर अपने व्यवसाय का संचालन कर सकेंगे।

लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर संजूदेवी राजपूत ने की, वहीं सभापति नूतन सिंह ठाकुर, पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित अन्य पार्षदगण व जनप्रतिनिधिगण विशेष रूप से उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि कोरबा शहर में काफी तादात में सड़क के किनारे फुटपाथ पर लघु व्यवसायियों द्वारा अपने छोटे-छोटे व्यवसाय संचालित किये जा रहे हैं, किन्तु इन व्यवसायियों को सदैव स्थल से हटा दिये जाने का डर बना रहता है, वहीं दूसरी ओर इससे शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है, आवागमन बाधित होता है।

जहां एक ओर इन लघु व्यवसायियों को दुकानें हटा दिये जाने का भय बना रहता है, वहीं दूसरी ओर वाहन चालकों, आमनागरिकों को भी असुविधा होती है। समय-समय पर इन व्यवसायियों को व्यवसाय प्रभावित होता है तथा उनका सपना रहता है कि उन्हें अपने व्यवसाय हेतु एक स्थाई ठिकाना मिल जाए।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा बुधवारी बाजार के सामने रोड की दूसरी ओर स्थित पार्किंग स्थल मैदान के किनारे-किनारे चारों ओर 53 दुकानों से युक्त वेंडिंग जोन का निर्माण कराया गया है, इन दुकानों को इन्हीं लघु व्यवसायियों को आबंटित किया गया है व आबंटित किया जा रहा है। आज प्रदेश के उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की उपस्थिति में उक्त वेंडिंग जोन का लोकार्पण किया।

इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने महापौर संजूदेवी राजपूत का विशेष रूप से धन्यवाद करते हुये कहा कि मेरे जन्म दिवस के अवसर पर आज यह पुन्य का कार्य करने का मौका महापौर के माध्यम से मुझे प्राप्त हुआ है, जिसके लिये मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ। उद्योग मंत्री ने लघु व्यवसायी बंधुओं को बधाई व शुभकामनायें दी तथा उनके व्यवसाय की सफलता तथा उनके लगातार प्रगति की कामना की।

इस अवसर पर सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, पार्षद नरेन्द्र देवांगन लक्ष्मण श्रीवास, पंकज देवांगन, मुकुंद सिंह कंवर, प्रफुल्ल तिवारी, योगेश जैन, मनोज अग्रवाल, रूखमणी नायर, नरेन्द्र पाटनवार, दीनू महाराज, कृष्णा द्विवेदी, दुष्यंत शर्मा, आकाश श्रीवास्तव, मनोज राजपूत, अनिल यादव, सुरेन्द्र राजवाड़े जोन कमिश्नर भूषण उरांव, अश्वनी दास, अंजुला अनंत, राजू गुप्ता, रामलाल पटेल, शबीर खान,विनोद राठौर, गुलजार सिंह, संजय मानिकपुरी, शैलेन्द्र यादव, प्रीति चौहान, स्वाति कश्यप, एस.के.जैन, संतोष देवांगन आदि सहित काफी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

महापौर संजूदेवी के लिए दोहरी खुशी का दिन

महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने कहा कि आज उनके लिये दोहरी खुशी का दिन है, क्योंकि एक ओर कोरबा के लोकप्रिय विधायक व बड़े भाई उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन का जन्म दिवस है, तो वहीं दूसरी ओर इस शुभ दिवस पर सड़क के किनारे व्यवसाय करने वाले हमारे छोटे-छोटे व्यवसायी भाईयों को उनके व्यवसाय हेतु स्थाई ठिकाना मिल रहा है।

महापौर श्रीमती राजपूत ने कहा कि उद्योग मंत्री श्री देवांगन द्वारा उन्हें लगातार मार्गदर्शन दिया जाता है कि शहर के किसी भी छोटे व्यवसायी विशेषकर सड़क के किनारे दुकान लगाकर व्यवसाय करने वाले व्यवसायी भाईयों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हों, जो जहॉ व्यवसाय कर रहे हैं, उन्हें वहॉं से न हटाया जाए, जब तक की उन्हें स्थाई ठिकाना उपलब्ध न करा दिया जाए।

उद्योगमंत्री भी कभी फुटपाथ पर करते थे व्यवसाय

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने बताया कि उनके पिताजी एवं वे स्वयं रोड साईड में दुकान लगाते थे। अतः वे रोड साईड में व्यवसाय करने वाले व्यवसायी बंधुओं के दुख दर्द से अच्छी तरह परिचित हैं। उनका संकल्प है कि रोड साईड व्यवसाय करने वाले व्यापारी भाईयों के हितों की सदैव रक्षा की जायेगी, जब तक उन्हें उनके व्यवसाय हेतु स्थाई ठिकाना उपलब्ध नहीं कराया जाता, तब तक उन्हें स्थल से हटाया नहीं जायेगा।

निगम के सभी जोन में बनाये जा रहे वेंडिंग जोन

उद्योग मंत्री के मार्गदर्शन तथा महापौर एवं आयुक्त के दिशा निर्देशन में नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा सभी जोनों में वेंडिंग जोन का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि सड़क किनारे व फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले छोटे-छोटे व्यवसायियों को उनके व्यवसाय संचालन हेतु स्थाई ठिकाना प्रदान किया जा सके तथा वे भयमुक्त वातावरण में निश्चिन्त होकर अपना व्यवसाय कर सकें।

व्यवसायियों को सौंपी दुकानों की चाबी

इस अवसर पर उद्योग मंत्री एवं महापौर ने नवनिर्मित आनंद बाजार वेंडिंग जोन की दुकानों की चाबी व्यवसायियों को प्रदान की। जिन व्यवसायियों को दुकानों का आबंटन व चाबी दिया गया, उनमें राजू गुप्ता, विनोद कुमार राठौर, नवोदित जैन, मनीष साहू, चंद्रिका देवांगन, मीना देवी, साहेब दास, राजेश सिंह, दीपू कुमार, जीतन दास, लता अभिषेक, मोहम्मद मुस्तफा आदि शामिल हैं। लघु व्यवसायियों ने उद्योग मंत्री एवं महापौर के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950